

आगरा के संकल्प भारद्वाज की अंतरराष्ट्रीय सिनेमा में गूँज

15वें धर्मशाला इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में दिखेगा अभिनय का जलवा, फिल्म ‘उस्ताद बंटू’ का होगा प्रदर्शन

टीएनएफ टुडे, आगरा।
 अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोहों में अपनी पहचान बना चुके आगरा के प्रतिभाशाली अभिनेता संकल्प भारद्वाज अब अपनी चर्चित फिल्म ह्यउस्ताद बंटूह्क के साथ 15वें धर्मशाला इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में अपना जलवा बिखेरेंगे। निर्देशक अर्श जैन की इस फिल्म में संकल्प भारद्वाज मुशर्रफ अर्वॉड के लिए नामांकन मिला। इसके बाद फिल्म ने शिकागो साउथ एशियन फिल्म फेस्टिवल में भी जगह बनाई और तस्वीर फिल्म



फेस्टिवल के मुख्य प्रतियोगिता खंड में शामिल हुई, जो दक्षिण एशियाई सिनेमा के लिए एक महत्वपूर्ण मंच माना जाता है।

था, जिसने फिल्म को अंतरराष्ट्रीय पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस फिल्म में संकल्प भारद्वाज ने केवल अभिनय ही नहीं बल्कि मार्केटिंग कंसल्टेंट के रूप में भी अहम योगदान दिया है। मुशर्रफ के किरदार को जीवंत करने वाले संकल्प ने अभिनय और फिल्म प्रचार-प्रसार दोनों मोर्चों पर अपनी प्रतिभा साबित की है। थिएटर से अपने अभिनय सफर की शुरुआत करने वाले संकल्प को अंतरराष्ट्रीय मंचों ने व्यापक दर्शक वर्ग तक

पहुँचने का अवसर दिया है। ह्यउस्ताद बंटूह्क एक वेंडिंग बैंड की दुनिया के माध्यम से संगीत, सपनों और जिंदगी से जुड़े अनछुए पहलुओं को सामने लाती है। यह उन कलाकारों की कहानी है जिनकी कला रोजमर्रा की जिंदगी में तो दिखती है, लेकिन उनके संघर्षों और सपनों पर कम ही बात होती है।

फिल्म की टीम अब इसे केवल फेस्टिवल तक सीमित न रखकर देशभर में 100 स्क्रीनिंग के माध्यम से आम दर्शकों तक पहुंचाने की

पहल कर रही है, ताकि स्वतंत्र सिनेमा की ऐसी कहानियों को वह मंच मिल सके जो अक्सर व्यावसायिक सिनेमा में नहीं मिल पाता।

बता दें कि 15वें धर्मशाला इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल में इस वर्ष ऑस्कर तक पहुँच बनाने वाली ह्यसीरतह्क और नसीरुद्दीन शाह अभिनीत ह्यरहमतह्क जैसी चर्चित फिल्में भी प्रदर्शित हो रही हैं। ऐसे प्रतिष्ठित मंच पर ह्यउस्ताद बंटूह्क की स्क्रीनिंग में संकल्प भारद्वाज आगरा का प्रतिनिधित्व करेंगे।



भोला हत्याकांड के पीड़ित परिवार से मिलीं राज्य महिला आयोग अध्यक्ष

फतेहाबाद। राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान ने शुक्रवार को गांव राजापुरा पहुंचकर भोला हत्याकांड के पीड़ित परिवार से मुलाकात की। उन्होंने मृतक भोला चौहान के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि दी और शोकाकुल परिजनों को ढाढस बंधाया। भाजपा नेता वीकेश चौहान के गांव राजापुरा पहुंचीं आयोग अध्यक्ष ने मृतक की पत्नी से घटना के संबंध में जानकारी ली और परिवार का दुख साझा किया। उन्होंने कहा कि दुख की इस घड़ी में आयोग और प्रदेश सरकार पीड़ित परिवार के साथ है। भोला चौहान के मासूम बच्चों की शिक्षा और भरण-पोषण के लिए हरसंभव सरकारी व प्रशासनिक सहायता दिलाई जाएगी। आयोग अध्यक्ष ने कहा कि मामले में दोषियों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से पीड़ित परिवार की सुरक्षा और मामले में निष्पक्ष कार्रवाई और साथ ही आरोपियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई कर पीड़ित परिवार को जल्द न्याय दिलाने के निर्देश दिए।

कोल्ड स्टोरेज में निकला सात फीट लंबा अजगर, कर्मचारियों में मचा हड़कंप



फतेहाबाद। रिहावली-फतेहाबाद मार्ग पर जरारी मोड़ के पास शुक्रवार शाम करीब चार बजे एक कोल्ड स्टोरेज में करीब सात फीट लंबा अजगर निकलने से हड़कंप मच गया। अचानक अजगर दिखाई देने से कोल्ड स्टोरेज में काम कर रहे कर्मचारियों में अफरा-तकरी मच गई। वन विभाग की टीम को सूचना दी। प्राप्त जानकारी के अनुसार जरारी मोड़ के पास बने कोल्ड स्टोरेज में शुक्रवार शाम चार बजे के करीब कर्मचारी अपने काम में जुटे हुए थे। इसी दौरान उनकी नजर परिसर में मौजूद एक विशाल अजगर पर पड़ी। अजगर को देखते ही कर्मचारियों में दहशत फैल गई। कुछ ही देर में वहां लोगों की भीड़ जुटने लगी। सूचना मिलने पर वन विभाग की टीम तत्काल मौके पर पहुंच गई। टीम में शामिल कर्मचारी भूरी सिंह और चंद्रभान ने अजगर को पकड़ने के लिए रेस्क्यू अभियान शुरू किया। काफी मशक्कत के बाद दोनों कर्मचारियों ने करीब सात फीट लंबे अजगर को सुरक्षित पकड़ लिया। इसके बाद वन विभाग की टीम अजगर को अपने साथ ले गई और उसे आबादी से दूर प्राकृतिक वातावरण में सुरक्षित छोड़ दिया।

ट्रांसफार्मर से तांबा चोरी करने वाले गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार,249 किलो तांबा बरामद

अछनेरा। अछनेरा थाना पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने विद्युत ट्रांसफार्मरों से तांबा चोरी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 249 किलोग्राम तांबा, 40 हजार रुपये नकद, घटना में प्रयुक्त कार और चोरी के उपकरण बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों पर 20 से अधिक मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पवन शर्मा निवासी सुंदर कॉलोनी और विशाल अग्रवाल निवासी राठौर कॉलोनी, थाना निहालगंज, धौलपुर (राजस्थान) के रूप में हुई है। 30 अक्टूबर की रात एसटीएफ प्रभारी उपनिरीक्षक रजनीश से मिली सूचना पर संयुक्त टीम ने साधन अडरपास के पास घेराबंदी कर चेकिंग शुरू की। इस दौरान संदिग्ध कार को रोककर उसमें सवार दोनों आरोपियों को पकड़ लिया गया। आठ चोरी की घटनाओं का खुलासा पूछताछ में आरोपियों ने आगरा के विभिन्न थाना क्षेत्रों में ट्रांसफार्मरों से तांबा चोरी की आठ घटनाओं में शामिल होना स्वीकार किया। वे सुनसान स्थानों पर लगे ट्रांसफार्मरों से तांबा निकालकर कबाड़ियों को बेचते थे। पुलिस के मुताबिक, गिरोह में धौलपुर निवासी भोला और प्रदीप उर्फ नेहना भी शामिल हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

गजब चोर: इलेक्ट्रॉनिक्स गोदाम में अपना ताला लगाकर करते रहे चोरी, 24 उपकरण पार, स्टॉक मिलान में खुलासा

आगरा। थाना हरीपर्वत क्षेत्र के मंदिया कटरा में शातिर चोरों ने इलेक्ट्रॉनिक्स कारोबारी के गोदाम को निशाना बनाकर लाखों का माल पार कर दिया। चोर गोदाम के पीछे के शटरों के ताले तोड़कर एसी, फ्रिज, टीवी, वॉशिंग मशीन समेत 23-24 उपकरण चोरी कर ले गए और पकड़ से बचने के लिए वहां अपना ताला लगा दिया।मंदिया कटरा निवासी सचिन गोयल की बिल्डो-पुपरा में गोयल एंड कंपनी के नाम से दुकान है। जगह कम होने से उन्होंने पास में ही किराए पर गोदाम ले रखा था, जहां विभिन्न कंपनियों का स्टॉक रखा जाता था चोरों ने बाउंड्री की तरफ वाले शटरों के ताले तोड़कर अपने ताले लगा दिए, ताकि बाहर से चोरी का पता न चले। आशंका है कि माल एक बार में नहीं, बल्कि अलग-अलग दिन में निकाला गया कारोबारी को चोरी का पता तब चला जब स्टॉक मिलान में गैल्टास, हितावी, मिट्सुबिशी के एसी समेत 24 नग गायब मिले। पीछे के शटरों की जांच में छेड़छाड़ का खुलासा हुआ। सचिन गोयल की तहरीर पर हरीपर्वत पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है

झोपड़ी में अज्ञात कारणों से लगी आग, सामान जलकर राख

- झोपड़ी से उठी आग ने लिया विकराल रूप, देखते ही देखते दो झोपड़ियां बनीं राख
- बाजरा की 60 बोरी कटब, अनाज और बाड़क का हिस्सा जला, एक घंटे तक मयी अफरा-तफरी
- गामीणों ने मशक्कत कर आग पर पाया काबू, पीड़ित परिवारों ने प्रशासन से मांगा सुआवजा

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

थाना निबोहरा क्षेत्र के गांव नागर में गुरुवार को आग लगने से दो झोपड़ी, करब, बाड़क जल गईं, एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद ग्रामीणों ने आग पर काबू पाया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार थाना निबोहरा क्षेत्र के गांव नागर निवासी धर्मेन्द्र पुत्र रामकिशोर की झोपड़ी में अज्ञात कारणों से आग लगी। जानकारी पर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया गया।लेकिन आग ने अपना विकराल रूप धारण कर लिया था। तभी आग उनके



भाई कालीचरण की झोपड़ी में भी लग गई और पास रखी धर्मेन्द्र की बाजरा की करब को भी चपेट में ले लिया। ग्रामीणों ने एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया लेकिन तब तक धर्मेन्द्र की झोपड़ी में रखा खाने पीने का सामान, अनाज व 60 पूरी बाजरा की करब की और बाड़क का कुछ हिस्सा जल गया। वहीं उनके भाई कालीचरण की झोपड़ी जलकर राख हो गई। वहीं पीड़ित किसानों ने सरकार से मुआवजे की मांग की है।

दिवाली से पहले किसानों की बल्ले-बल्ले, खातों में बरसे 48.82 करोड़ रु.!

24वीं किस्त जारी होते ही 2.44 लाख किसानों के खाते हुए मालामाल।

- जिले के 2,44,122 किसानों के बैंक खातों में सीधे पहुंची सम्मान निधि
- कुल ₹48.82 करोड़ की धनराशि से किसानों को मिला आर्थिक संबल
- कृषि विज्ञान केंद्र समेत सभी विकासखंडों में आयोजित हुए कार्यक्रम

टीएनएफ टुडे, मथुरा।

उप कृषि निदेशक आवेश कुमार सिंह ने अवगत कराया है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा बनारसकांठा, गुजरात से प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त जारी की गई। इस



अवसर पर जनपद मथुरा में मुख्य कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र, मथुरा में किया गया, जिसमें माननीय जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों एवं बड़ी संख्या में कृषकों द्वारा प्रतिभाग किया गया।कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री के उद्बोधन एवं 24वीं किस्त जारी किए जाने के कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा गया। जनपद के

समस्त विकास खण्डों में भी कार्यक्रम आयोजित कर कृषकों को सजीव प्रसारण दिखाया गया, जिससे अधिक से अधिक कृषक इस महत्वपूर्ण कार्यक्रम से जुड़ सके। इस अवसर पर जनपद मथुरा के कुल 2,44, 122 कृषकों के बैंक खातों में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि की 24वीं किस्त के रूप में कुल ₹48.82 करोड़ की धनराशि सीधे हस्तांतरित की

गई। इससे जनपद के लाखों कृषक परिवारों को आर्थिक संबल प्राप्त हुआ। कार्यक्रम में कृषकों को योजना के उद्देश्यों, पात्रता एवं कृषि कार्यों में प्राप्त होने वाली आर्थिक सहायता के महत्व के संबंध में भी जानकारी दी गई। यह योजना कृषकों की आर्थिक स्थिति सुदृढ़ करने तथा कृषि कार्यों में आवश्यक निवेश हेतु महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है।

चीनी मिल पर किसानों का हल्लाबोल, प्रशासन ने बुलाई वार्ता!

मिल चालू कराने की मांग पर डीएम-एसएसपी से मिले किसान, ज्ञापन साँपा



टीएनएफ टुडे, मथुरा।

जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोक कुमार की संयुक्त अध्यक्षता में तहसील छाता स्थित छाता चीनी मिल को चालू कराने के संबंध में धरना प्रदर्शन करने वाले किसानों के प्रतिनिधि मंडल के साथ बैठक का हुआ आयोजन। प्रशासन तथा किसानों (प्रतिनिधि मंडल) के मध्य सकारात्मक वातावरण में बैठक हुई संघन।

बैठक में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह ने किसान भाइयों से अपील की कि अधिकाधिक गन्ना

- धरना दे रहे किसानों के प्रतिनिधिमंडल से प्रशासन की सीधी बातचीत
- डीएम ने गव्ने की छेती बहाने की अपील, गुणवत्तायुक्त बीज देने का मोरोसा
- सरकार की ओर से गन्ना खरीद का आश्वासन, सकारात्मक माहौल में हुई बैठक

की खेती करें। जिलाधिकारी ने किसानों (प्रतिनिधि मंडल) को आश्वासन दिया सरकार द्वारा गन्ना को क्रय किया जाएगी। जिलाधिकारी ने सभी किसानों को

अवगत कराया कि आपको गन्ना की अच्छी खेती हेतु गुणवत्तायुक्त बीज भी उपलब्ध कराया जाएगा। बैठक के पश्चात जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह एवं वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोक कुमार ने किसानों / प्रतिनिधि मंडल द्वारा प्रेषित मांग/ज्ञापन को प्राप्त किया।

बैठक में जिलाधिकारी चंद्र प्रकाश सिंह, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक शोक कुमार, अपर जिलाधिकारी प्रशासन अमरेश कुमार, एसपी ग्रामीण आलोक राज नारायण, उप जिलाधिकारी छाता अखिलेश कुमार सहित किसानों का प्रतिनिधि मंडल मौजूद रहा।

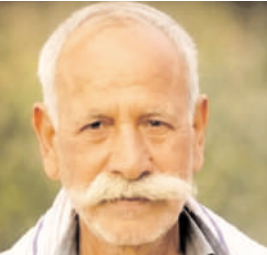
नहीं रहे पूर्व प्रधान छकौड़ी लाल शर्मा, सुबह जगाने पहुंचे परिजन तो उड़ गए होश

रात में सीने में उठा था दर्द, सुबह बिस्तर पर मिला शव

- गुरुवार रात अचानक सीने में हुआ था दर्द, कुछ देर बाद बंद हो गया था
- शुक्रवार सुबह परिजनों ने जगाने की कोशिश की तो निधन का चला पता
- पत्नी और तीन बेटों को पीछे छोड़ गए पूर्व प्रधान, गामीणों ने जाताया शोक

टीएनएफ टुडे, फतेहाबाद।

विकासखंड फतेहाबाद की ग्राम पंचायत गुबरोट के पूर्व प्रधान छकौड़ी लाल शर्मा का आकस्मिक निधन हो गया। उनके निधन की खबर मिलते ही गांव सहित आसपास के क्षेत्र में शोक की लहर दौड़ गई। पूर्व प्रधान के पुत्र भरत शर्मा ने बताया कि गुरुवार रात उनके पिता छकौड़ी लाल शर्मा पुत्र मायाराम शर्मा को अचानक सीने में दर्द हुआ था।



कुछ देर बाद दर्द बंद हो गया। शुक्रवार सुबह परिजनों ने उन्हें जगाने का प्रयास किया तब परिजनों को उनके निधन की जानकारी हुई। पूर्व प्रधान अपने पीछे पत्नी और तीन पुत्र भरत शर्मा, धर्मेन्द्र शर्मा व जितेंद्र शर्मा सहित भरा-पूरा परिवार छोड़ गए हैं। उनके आकस्मिक निधन पर ग्राम प्रधान शैतान सिंह गुर्जर, सतीश चंद, देवकीनंदन शर्मा, कमलेश शर्मा, महेश चंद शर्मा, रामसिंह गुर्जर, रामनिवास शर्मा सहित ग्रामीणों व क्षेत्र के लोगों ने शोक संवेदना व्यक्त की।

टेढ़ी बगिया में अतिक्रमण हटाने गई नगर निगम टीम का हंगामा, दुकानदार की पिटाई का आरोप

टीएनएफ टुडे, आगरा।

ट्रांस यमुना थाना क्षेत्र के टेढ़ी बगिया स्थित सौ फीट मार्ग पर शुक्रवार को अतिक्रमण हटाओ अभियान के दौरान हंगामा हो गया। नगर निगम की प्रवर्तन टीम और पुलिस को स्थानीय दुकानदारों और लोगों के कड़े विरोध का सामना करना पड़ा। इस दौरान टीम पर एक दुकानदार के साथ बेरहमी से मारपीट करने का आरोप लगा है, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है खबरों के अनुसार दोपहर में नगर निगम का प्रवर्तन दल पुलिस बल के साथ 100 फीट मार्ग पर अतिक्रमण हटाने पहुंचा था। आरोप है कि सड़क किनारे दुकानों के आगे हुए अतिक्रमण को हटाने के दौरान दुकानदार दीप किशोर ने विरोध किया।

प्रत्यक्षदर्शियों और परिजनों का आरोप है कि प्रवर्तन दल के कर्मचारियों ने दीप किशोर को जमीन पर गिरा दिया और लाठियों से बेरहमी से पीटा। मारपीट में उसके कपड़े फट गए और उसे चोटें आईं। इसके बाद टीम ने दुकानदार को पुलिस के



हवाले कर दिया। घटना का वीडियो किसी ने मोबाइल में कैद कर सोशल मीडिया पर डाल दिया, जो अब तेजी से वायरल हो रहा है।हेरिटेज टूर्स बुक करें

नगर निगम का पक्ष वहीं इस मामले में नगर निगम प्रवर्तन दल के प्रभारी राहुल गुप्ता ने आरोपों को खारिज किया है। उनका कहना है कि 100 फीट मार्ग पर करीब 30 फीट तक स्थायी और अस्थायी अतिक्रमण कर रखा था, जिससे जाम की स्थिति बनती है। कई बार चेतावनी के बाद भी

अतिक्रमण नहीं हटाया गया टीम कार्रवाई करने पहुंची तो दुकानदार दीप किशोर अभद्रता करने लगा और मारपीट पर उतारू हो गया। उसे काफी समझाने की कोशिश की गई, लेकिन वह नहीं माना। नियम के तहत अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की जा रही है। फिलहाल पुलिस ने दुकानदार को हिरासत में लेकर समझा-बुझाकर मामला शांत कराने का प्रयास किया। वहीं इस घटना के बाद स्थानीय व्यापारियों में निगम की कार्यशैली को लेकर आक्रोश है

स्वर्णिम दीपोत्सव में दीपों की रोशनी के बीच सजी सांस्कृतिक कार्यक्रमों की महफिल

बच्चों ने फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता में दिखाई प्रतिभा, हस्तनिर्मित उत्पादों की स्टॉल बनीं आकर्षण का केंद्र

टीएनएफ टुडे, आगरा।

भारत विकास परिषद संपर्क शाखा की ओर से स्वर्णिम दीपोत्सव कार्यक्रम का भव्य आयोजन सिकंदरा स्थित मधुर रिजॉर्ट में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की अध्यक्ष बबीता सिंह चौहान एवं लायंस क्लब के पूर्व इंटरनेशनल डायरेक्टर जितेंद्र चौहान ने दीप प्रज्वलित कर किया।

अध्यक्ष पवन अग्रवाल एवं सचिव नितिन गुप्ता ने बताया कि

दीपोत्सव का उद्देश्य परिषद परिवार के सदस्यों को एक साथ लाकर दीपावली की खुशियां साझा करना और आपसी मेलजोल को बढ़ावा देना है। कार्यक्रम में सदस्यों ने एक-दूसरे के साथ हंसी-ठिठोली करते हुए त्योहार का भरपूर आनंद लिया। दीपोत्सव के दौरान बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता आयोजित की गई, जिसमें नन्हे-मुन्हे बच्चों ने आकर्षक वेशभूषा में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। वहीं महिलाओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों की



मनमोहक प्रस्तुतियां देकर समारोह में चार चांद लगा दिए।

कोषाध्यक्ष आलोक गुप्ता ने बताया कि इस बार दीपावली की खरीदारी को भी खास बनाया गया। इसके लिए परिषद के सदस्यों की ओर से हस्तनिर्मित एवं हस्तशिल्प उत्पादों की आकर्षक स्टॉल लगाई गईं। इनमें महिलाओं द्वारा तैयार किए गए सुट, पोशाक, दीये सहित विभिन्न घरेलू एवं सजावटी उत्पाद प्रदर्शित किए गए। इन स्टॉलों के माध्यम से महिलाओं की रचनात्मकता और स्वरोजगार को

प्रोत्साहित करने का संदेश भी दिया गया। दीपों की जगमगाहट, सांस्कृतिक प्रस्तुतियों और पारिवारिक उल्लास के बीच आयोजित स्वर्णिम दीपोत्सव ने सभी सदस्यों के लिए दीपावली की खुशियों को यादगार बना दिया। इस अवसर पर महिला संयोजिका दीदिका भटनागर, विजेंद्र सिंह वर्मा, वीरेंद्र सिंघल, डॉ. अमित अग्रवाल, अभिनव भटनागर, अंबा प्रसाद गर्ग, राजेश वर्मा, प्रिया गुप्ता, वंदना अग्रवाल, रश्मि गुप्ता आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे।

विवि का तीन दिवसीय युवोत्सव-2026 शुरू

पहले दिन शास्त्रीय गायन, पेंटिंग, रंगोली और क्विज प्रतियोगिताओं में छाए युवा प्रतिभागी



टीएनएफ टुडे, आगरा।

डॉ. भीमराव आंबेडकर विश्वविद्यालय, आगरा के शताब्दी वर्ष के अंतर्गत आयोजित हो रहे तीन दिवसीय 'युवोत्सव' (यूनिफेस्ट) 2026-27' का रंगारंग और उत्साहपूर्ण आगाज गुरुवार, 30 अक्टूबर 2026 को हो गया। युवोत्सव के पहले दिन विश्वविद्यालय परिसर में विभिन्न साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न महाविद्यालयों और संस्थानों से आए छात्र-मूर्धन्यों ने अपनी कला और प्रतिभा का उत्कृष्ट प्रदर्शन किया।

विभिन्न प्रतियोगिताओं के परिणाम इस प्रकार रहे:

शास्त्रीय गायन (एकल): ललित कला संस्थान (संस्कृति भवन) के सुमित कुमार ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। आगरा कॉलेज के हर्ष कुमार द्वितीय और बैकुण्ठी देवी कन्या

महाविद्यालय की अंजलि शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं। डॉ. गौतम तिवारी, डॉ. सवानंद ब्रह्मभट्ट और डॉ. शिखा मुखर्जी निर्णायक मंडल में शामिल थे।

स्वर गायन (एकल शास्त्रीय): ललित कला संस्थान की शगुन प्रथम, आगरा कॉलेज के हर्षित कुमार गोला द्वितीय और आरबीएस कॉलेज के मोहित जैन तृतीय रहे। निर्णय डॉ. नीतू गुप्ता, भीम शिरोमणि और गजेंद्र सिंह ने दिया।

ऑन द स्पॉट पेंटिंग: ललित कला संस्थान के मयंक प्रताप ने बाजी मारते हुए प्रथम स्थान हासिल किया। बैकुण्ठी देवी कन्या महाविद्यालय की सुनयना वर्मा द्वितीय और आरबीएस कॉलेज के अंश आनंद तृतीय स्थान पर रहे।

पेंटिंग प्रतियोगिता: बैकुण्ठी देवी कन्या महाविद्यालय की पायल शर्मा प्रथम, आगरा कॉलेज की सुमायला द्वितीय और ललित कला संस्थान के मयंक प्रताप तृतीय स्थान पर रहे। श्री



आशीष मोहन, कीर्ति तिवारी और पंकज निर्णायक रहे।

रंगोली प्रतियोगिता: आगरा कॉलेज की दीक्षा सोलंकी ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। ललित कला संस्थान के तेजपाल कुमार द्वितीय और बैकुण्ठी देवी कन्या महाविद्यालय की सुमन तृतीय रहीं। नरेंद्र सोलंकी, नीतू दीक्षित और

ललित कला संस्थान, आगरा कॉलेज और आरबीएस कॉलेज के विद्यार्थियों का दबदबा; विभिन्न स्थाओं में विजेताओं ने हासिल किए शीर्ष स्थान

खटौटी परिसर में साहित्यिक, सांस्कृतिक एवं रचनात्मक प्रतियोगिताओं का रहा बोलबाला, निर्णायक मंडल ने की प्रतिभागियों के हुनर की सराहना

स्वीटी जैन निर्णायक मंडल में रहे।

सेमिनार प्रतियोगिता: आरबीएस कॉलेज की खुशबू मिश्रा प्रथम, विधि विभाग (विप) की परी शर्मा द्वितीय और आगरा कॉलेज की झील गौतम तृतीय स्थान पर रहीं। डॉ. आनंद राय, योगेश शर्मा और टीकेन्द्र सिंह ने निर्णय भूमिका निभाई।

शास्त्रीय वादन (ताल वाद्य): ललित कला संस्थान के घनश्याम शर्मा प्रथम, आगरा कॉलेज के दिलजीत सिंह द्वितीय और

आरबीएस कॉलेज के अभिषेक शुक्ला तृतीय रहे।

समूह गायन: ललित कला संस्थान की टीम ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। सेंट जॉन्स कॉलेज की टीम द्वितीय और आगरा कॉलेज की टीम तीसरे स्थान पर रही।

क्विज प्रतियोगिता: प्रथम चरण की लिखित परीक्षा के आधार पर शिवम कुमार सिंह (कंप्यूटर साइंस विभाग), हर्षित पचौरी (इतिहास विभाग), दीक्षा यादव (दीन दयाल ग्राम्य विकास संस्थान), सजल जैन (आगरा कॉलेज), सोनू शर्मा (आरबीएस कॉलेज) और अभिषेक कुमार (आईटीएचएम संस्थान) ने मौखिक क्विज दौर के लिए सफलतापूर्वक अर्हता प्राप्त की।

युवोत्सव के पहले दिन युवाओं का उत्साह और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देखने लायक थीं, जिससे पूरा विश्वविद्यालय परिसर सुजन और उल्लास के रंग में रंगा नजर आया।

डॉ. बबीता सिंह चौहान ने सर्किट हाउस में की जनसुनवाई

44 मामलों की हुई सुनवाई, घरेलू हिंसा और दहेज उत्पीड़न पर सख्त कार्रवाई के निर्देश

विगत जनसुनवाई के लंबित प्रकरणों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कर एक सप्ताह में अनुपालन रिपोर्ट मेजने के निर्देश

आयोग में प्राप्त प्रत्येक प्रार्थना पर का होना शत-प्रतिशत निस्तारण, पुलिस अधिकारी बरतें संवेदनशीलता

टीएनएफ टुडे, आगरा।

उत्तर प्रदेश राज्य महिला आयोग की माननीय अध्यक्ष डॉ. बबीता सिंह चौहान ने गुरुवार को नवीन सर्किट हाउस सभागार में महिला जनसुनवाई की और महिला उत्पीड़न की रोकथाम तथा सरकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन की समीक्षा बैठक ली। कार्यक्रम के प्रारंभ में एसडीएम नरेंद्र गंगवार और जिला प्रोबेशन अधिकारी अतुल सोनी ने पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया। बैठक के दौरान आयोग अध्यक्ष ने पिछली जनसुनवाई के लंबित मामलों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को एक सप्ताह के भीतर गुणवत्तापूर्ण निस्तारण कर अनुपालन आख्या उपलब्ध कराने के कड़े निर्देश दिए। 44 मामलों पर सुनवाई, घरेलू



हिंसा और दहेज उत्पीड़न के मामलों में त्वरित कार्रवाई:

आज की जनसुनवाई में कुल 44 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए, जिनमें अधिकांश मामले घरेलू हिंसा, दहेज उत्पीड़न, गुजारा भत्ता और पेंशन से जुड़े थे। अध्यक्ष महोदया ने कई मामलों में संबंधित थानाध्यक्षों से दूरभाष पर सीधे वार्ता कर त्वरित और न्यायसंगत कार्रवाई के निर्देश दिए। इसके साथ ही उन्होंने उत्तर प्रदेश कौशल विकास मिशन की समीक्षा करते हुए महिलाओं को स्वरोजगार के प्रशिक्षण से जोड़ने और योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार करने पर विशेष बल दिया।

पत्रकार वार्ता में पुलिस, समाज और अभिभावकों से की अपील:

जनसुनवाई के उपरांत आयोजित पत्रकार वार्ता में डॉ. बबीता सिंह चौहान ने कहा कि महिला आयोग में आने वाले प्रत्येक प्रार्थना पत्र का शत-प्रतिशत निस्तारण सुनिश्चित कराया जाएगा। महिलाओं में अपने अधिकारों के प्रति जागरूकता बढ़ी

है। उन्होंने पुलिस अधिकारियों से आह्वान किया कि वे पीड़ित महिलाओं की शिकायतों पूरी संवेदनशीलता और गंभीरता से सुनें तथा थानों पर उनके प्रति सम्मानजनक व्यवहार रखें।

घरेलू हिंसा की घटनाओं पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए उन्होंने अभिभावकों से अपील की कि वे सामाजिक दबाव में आकर अपनी बेटियों को प्रताड़ना सहने के लिए दोबारा ससुराल न भेजें, क्योंकि गलत रिश्ते की सजा किसी बेटी को पूरी जिंदगी नहीं भुगतनी चाहिए। उन्होंने विवाह पूर्व युवक-युवतियों और परिजनों की काउंसलिंग तथा पारिवारिक सामंजस्य पर भी जोर दिया।

जनसुनवाई के दौरान एसडीएम नरेंद्र गंगवार, एसपी सुनीता चौहान, डिप्टी सीएमओ डॉ. सुरेंद्र मोहन प्रजापति, जिला कौशल प्रबंधक अमित धाकरे और सहायक श्रमायुक्त शगुन सहित विभिन्न विभागों के प्रमुख अधिकारी उपस्थित रहे।

फुटवियर एमएसएमई को नई ताकत देगी सिडबी-एफमेक की पहल

‘सिडबी-एफमेक इंडस्ट्री कनेक्ट’ में उद्योग के विकास हेतु समझौते पर हस्ताक्षर

उद्यमियों की जरूरतों, निवेश और रोजगार की समाधानों पर हुआ गठन

टीएनएफ टुडे, आगरा।

आगरा फुटवियर क्लस्टर के विकास एवं फुटवियर क्षेत्र की सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम (एमएसएमई) इकाइयों को प्रोत्साहन देने के उद्देश्य से भारतीय लघु उद्योग विकास बैंक (सिडबी) एवं आगरा फुटवियर मैनुफैक्चरर्स एंड एक्सपोर्टर्स चैम्बर (एफमेक) द्वारा शुक्रवार को फेयरफील्ड बाय मैरियट में ह्रासिडबीइएफमेक इंडस्ट्री कनेक्ट कार्यक्रम आयोजित किया गया।

सिडबी के डेवलपमेंट ऑफ इंडस्ट्रीज एसोसिएशन (उकअ) कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित इस समारोह में सिडबी एवं एफमेक के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए गए। यह पहल आगरा के फुटवियर उद्योग की एमएसएमई इकाइयों के विकास, प्रोत्साहन तथा संस्थागत सहयोग को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण



कदम है।

कार्यक्रम ने बैंक एवं उद्योग प्रतिनिधियों को एक साझा मंच प्रदान किया। इस सहयोग का उद्देश्य फुटवियर उद्यमों की आवश्यकताओं को समझते हुए उनके विकास के लिए बेहतर समन्वय स्थापित करना और आगरा फुटवियर क्लस्टर की प्रगति को गति देना है।

सिडबी की आगरा शाखा के सहायक महाप्रबंधक जितेंद्र जैन ने कहा कि सिडबी का प्रयास है कि फुटवियर क्षेत्र की एमएसएमई इकाइयों को उनकी आवश्यकताओं के अनुरूप वित्तीय मार्गदर्शन एवं संस्थागत सहयोग मिले। एफमेक के साथ यह पहल उद्यमियों तक

सिडबी की योजनाओं की जानकारी पहुंचाने और उनके विकास की संभावनाओं को विस्तार देने में सहायक होगी।

एफमेक अध्यक्ष गोपाल गुप्ता ने कहा कि आगरा के फुटवियर उद्यमियों में अपार क्षमता है। वित्त तक सुगम पहुंच, तकनीकी उन्नयन और कारोबार विस्तार के लिए उचित मार्गदर्शन इस क्षमता को नई दिशा दे सकता है। सिडबी के साथ यह सहयोग सदस्य इकाइयों की जरूरतों को प्रभावी ढंग से सामने रखने और उनके समाधान की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

एफमेक कन्वीनर एवं फुटवियर एवं चमड़ा उद्योग विकास परिषद के चेयरमैन पूरन डावर ने कहा कि

आगरा फुटवियर क्लस्टर को वैश्विक प्रतिस्पर्धा में आगे बढ़ाने के लिए उत्पादन क्षमता के साथ गुणवत्ता, आधुनिक तकनीक और उत्पादकता पर ध्यान देना आवश्यक है। सिडबी और एफमेक का यह सहयोग छोटे उद्यमों को सशक्त बनाने, निवेश को प्रोत्साहित करने तथा रोजगार के नए अवसरों का आधार तैयार करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

इस अवसर पर एफमेक के पूर्व अध्यक्ष कैप्टन ए.एस. राणा, उपाध्यक्ष राजेश सहगल, एफमेक महासचिव प्रदीप वासन, कोषाध्यक्ष चंद्र मोहन सचदेवा, ललित अरोरा, सुनील मनचंदा और रोमी लूथरा, शशांक बंसल सहित उद्योग जगत के अनेक प्रतिनिधि उपस्थित रहे।

आगरा के 2.93 लाख किसानों के खातों में पहुंची 24वीं किस्त

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के बनावलाकांठा से जारी की किस्त

कृषि विज्ञान केंद्र बिहपुरी में मुख्य विकास अधिकारी ने बांटे सरसों के मिनीकिट

ग्राम पंचायतों और विकास खंडों में 16 हजार से अधिक किसानों ने देखा सजीव प्रसारण

टीएनएफ टुडे, आगरा।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत जनपद आगरा के कृषि जगत को बड़ा संबल मिला है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा गुजरात के बनावलाकांठा से देश भर के किसानों के खातों में योजना की 24वीं किस्त हस्तांतरित किए जाने के साथ ही, आगरा जनपद के लगभग 2.93 लाख पंजीकृत कृषकों के बैंक खातों में भी सम्मान निधि की धनराशि सीधे पहुंच गई। आर्थिक सहायता मिलते ही किसान भाइयों के चेहरे खिल उठे।



इस अवसर पर जिला स्तरीय मुख्य कार्यक्रम का आयोजन कृषि विज्ञान केंद्र, बिहपुरी में किया गया, जिसमें मुख्य विकास अधिकारी ने मुख्य अतिथि के रूप में सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान मुख्य विकास अधिकारी द्वारा रबी सीजन की तैयारी में जुटे 20 चयनित किसानों को सरसों के निःशुल्क मिनीकिट वितरित किए गए।

कृषि विभाग के अधिकारियों और कृषि वैज्ञानिकों ने उपस्थित किसानों को विभागीय कल्याणकारी योजनाओं तथा आधुनिक व वैज्ञानिक खेती से

जुड़े महत्वपूर्ण तकनीकी गुर सिखाए।

बिहपुरी स्थित कार्यक्रम में प्रभारी कृषि विज्ञान केंद्र, उप कृषि निदेशक, जिला कृषि अधिकारी, सहायक निदेशक (मृदा परीक्षण), किसान नेता मोहन सिंह चाहर सहित लगभग 260 किसान मौजूद रहे। इसके अलावा जनपद के सभी विकास खंडों और ग्राम पंचायतों में आयोजित लाइव स्ट्रीमिंग के जरिए 16,820 से अधिक किसानों ने इस ऐतिहासिक कार्यक्रम का सजीव प्रसारण देखा।

ट्रांसफार्मर से तांबा चोरी करने वाले गिरोह के दो सदस्य गिरफ्तार, 249 किलो तांबा बरामद

अछेरा। अछेरा थाना पुलिस और एसटीएफ की संयुक्त टीम ने विद्युत ट्रांसफार्मरों से तांबा चोरी करने वाले गिरोह के दो सदस्यों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से 249 किलोग्राम तांबा, 40 हजार रुपये नकद, घटना में प्रयुक्त कार और चोरी के उपकरण बरामद किए गए हैं। गिरफ्तार आरोपियों पर 20 से अधिक मुकदमे दर्ज बताए गए हैं। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपियों की पहचान पवन शर्मा निवासी सुंदर कॉलोनी और विशाल अग्रवाल निवासी राठौर कॉलोनी, थाना निहालगंज, धौलपुर (राजस्थान) के रूप में हुई है। 30 अक्टूबर की रात एसटीएफ प्रभारी उपनिरीक्षक रजनीश से मिली सूचना पर संयुक्त टीम ने साधन अंडरपास के पास घेराबंदी कर चेकिंग शुरू की। इस दौरान सदिध कार को रोककर उसमें सवार दोनों आरोपियों को फकड़ लिया गया। आठ चोरी की घटनाओं का खुलासा एख्ताख में आरोपियों ने आगरा के विभिन्न थाना क्षेत्रों में ट्रांसफार्मरों से तांबा चोरी की आठ घटनाओं में शामिल होना स्वीकार किया। वे सुनसान स्थानों पर लगे ट्रांसफार्मरों से तांबा निकालकर कबाड़ियों को बेचते थे। पुलिस के मुताबिक, गिरोह में धौलपुर निवासी भौला और प्रदीप उर्फ नेहना भी शामिल हैं। पुलिस उनकी तलाश कर रही है।

सम्पादकीय

लखनऊ में हुई भाजपा की प्रांतीय कार्यसमिति बैठक का सियासी घटाटोप

उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में भारतीय जनता पार्टी की हालिया प्रांतीय कार्यसमिति की बैठक और उसमें केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह का संबोधन राजनीतिक गलियारों में भारी हलचल पैदा कर गया है। मिशन दो हजार सत्ताईस के चुनावी रणभेरी के रूप में आगेजित इस महाबैठक का मुख्य उद्देश्य सत्ताधारी दल के बिखरे हुए काउंड में नया जोश भरना और संगठन की सुस्त पड़ी चाल को दुरुस्त करना था। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने अपने ओजस्वी भाषण में एक बार फिर से कार्यकर्ताओं को पुरानी सफलताओं का हवाला देते हुए अटूट जीत का मंत्र दिया और विपक्ष पर जमकर सियासी प्रहार किए। किंतु अमित शाह के इस भाषण और बैठक के दावों को यदि उत्तर प्रदेश की वर्तमान जमीनी हकीकत और हालिया उपचुनावों तथा एमएलसी चुनावों के परिणामों के आईने में देखा जाए तो तस्वीर उतनी चमकदार नहीं है जितनी मंच से दिखाई गई। जब गृह मंत्री महोदय अपनी सभाओं में कानून व्यवस्था और विकास के नाम पर सुशासन का दावा करते हैं तब आम जनता के मन में यह सवाल स्वाभाविक रूप से उठ खड़ा होता है कि आखिर प्रशासनिक उत्पीड़न और बेलगाम अफसरशाही से पीड़ित जनता त्रस्त क्यों है। अमित शाह का यह दावा कि पार्टी पूरी तरह एकजुट है और कार्यकर्ताओं का सम्मान सुरक्षित है, जमीनी स्तर पर खाकी और खादी के गठजोड़ के सामने दम तोड़ता हुआ साफ नजर आता है। यदि पार्टी के भीतर सब कुछ इतना ही ठीक ठाक होता तो प्रबुद्ध वर्ग और स्नातक निर्वाचन क्षेत्रों में सत्ताधारी दल को ऐसी करारी शिकस्त का सामना करापि नहीं करना पड़ता। सच्चाई यह है कि जनता अब केवल बड़े-बड़े भाषणों और वैचारिक नारों से संतुष्ट होने वाली नहीं है बल्कि वह अपने रोजमर्रा के जीवन में शासन और प्रशासन की संवेदनशीलता चाहती है। निकर्ष रूप में यह कहा जा सकता है कि लखनऊ की इस हाईप्रोफाइल कार्यसमिति ने कागज पर भले ही चुनावी हवा का रुख मोड़ने का प्रयास किया हो किंतु जब तक धरातल पर व्याप्त भ्रष्टाचार और अहंकार का खाम्ता नहीं होता, तब तक यह सियासी तड़का ज्यादा देर तक असर नहीं दिखा पाएगा।

अनसुने प्रसंग- क्षेपक कथा

जब राजा रतिदेव के द्वार पर वरदान देने के लिए स्वयं आए थे देवता

श्रीमद्भागवत महापुराण और विभिन्न पुराणों के पावन इतिहास में चंद्रवंश के महान प्रतापी और परम दानी राजा रतिदेव की असीम करुणा, जीवमात्र के प्रति प्रेम और सर्वोच्च त्याग की यह अमर कथा संपूर्ण मानव समाज के लिए परोपकार की पराकाष्ठा प्रस्तुत करती है।

प्राचीन काल में राजा रतिदेव अपनी अपार धन-संपत्ति और वैभव के बीच भी सदा परोपकार और दीन-दुखियों की सेवा को ही अपने जीवन का सबसे बड़ा धर्म मानते थे। वे अपना सब कुछ त्यागकर लगातार परोपकार और दान-पुण्य करते रहे यहाँ तक कि उनकी राजसी संपत्ति और वैभव धीरे-धीरे पूरी तरह समाप्त हो गया। परिणामस्वरूप राजा रतिदेव, उनकी रानी और उनके सभी आश्रित परिवार के सदस्यों को लगातार अड़तालीस दिनों तक बिना अन्न और जल के भूखा-प्यासा रहना पड़ा। उन्नीसवें दिन जब कहीं से थोड़ा सा अन्न और जल भोजन के रूप में प्राप्त हुआ और पूरा परिवार अपनी भारी भूख मिटाने के लिए बैठा ही था कि तभी एक अतिथि ब्राह्मण उनके द्वार पर आ गया।

दयालु राजा रतिदेव ने अपना वह सारा भोजन उस भूखे अतिथि ब्राह्मण को हंस्टे-हंस्टे आदरपूर्वक भेंट कर दिया और स्वयं भूखे ही बैठे रहे। जब ब्राह्मण भोजन करके चला गया और परिवार के बाकी सदस्यों ने अपने हिस्से का थोड़ा सा जल पीने का विचार किया तभी एक शूद्र भक्त प्यासा उनके द्वार पर आ गया। राजा रतिदेव ने अपने हिस्से का वह अंतिम जल का पात्र भी उस प्यासे शूद्र को पिला दिया ताकि किसी भी जीव की प्यास न बुझने पाए। जब राजा रतिदेव अपने परिवार के साथ पूरी तरह भूखे और प्यासे रहकर भी केवल जल पीने ही जा रहे थे तभी साक्षात भगवान विष्णु ब्रह्मा और देवराज इंद्र उनके सामने प्रकट हो गए।

देवताओं ने राजा रतिदेव को उनकी इस अद्वितीय और अकल्पनीय करुणा तथा त्याग के लिए आशीर्वाद दिया और घोषणा की कि उनके त्याग का यह आदर्श तीनों लोकों में अमर रहेगा।

यह पावन प्रसंग हमें यह अमर सीख देता है कि जीवन में सच्चा धर्म केवल कर्मकांड से नहीं बल्कि हर जीव के प्रति करुणा, दया और परोपकार की भावना से ही पूरा होता है।

सितारों की चाल: आपका भविष्यफल

कल का दिन कैसा होगा? इसकी तैयारी आज से करें!



शुभकार्य हेतु आज का चंद्रबल

आज मेष वृष सिंह कन्या वृश्चिक और मनु राशि के जातकों का मानसिक मनोबल और भाग्य का संबल अत्यंत उत्तम रहेगा। रविवार का दिन सूर्य देव और ग्रहों के राजा भगवान भास्कर की आराधना के लिए परम पवित्र और अक्षय फलदायी माना जाता है। आज के दिन सुबह स्नान करके तांबे के लोटे से सूर्य देव को अर्घ्य देने तथा आदित्य हृदय स्तोत्र का पाठ करने से जीवन के सभी कष्ट दूर होते हैं और मान-सम्मान तथा आरोग्य की प्राप्ति होती है।

जीत के जश्न में खतरे की घंटी सुन पाएगी भाजपा ?

○ बृज खंडेलवाल

चुनाव जीते हैं तो जश्न मनाइए, लेकिन जीत के नशे में चूर मत हो जाइए। राजनीति में आज का किला कल ढह भी सकता है। चार राज्यों; उत्तर प्रदेश, कर्नाटक, महाराष्ट्र और बिहार, के विधान परिषद चुनावों ने भाजपा और उसके सहयोगियों को यही पैगाम दिया है।

एनडीए ने 28 में से 16 सीटें जीतकर बढ़त जरूर बनाई है, लेकिन इस जीत के भीतर कुछ ऐसे संकेत छिपे हैं जिन्हें नजरअंदाज करना महंगा पड़ सकता है। भाजपा ने अकेले 13 सीटें जीतीं। समाजवादी पार्टी को पांच, शरद पवार की एनसीपी (एसपी) को दो, कांग्रेस, जेडी(एस), जेडी(यू), आरजेडी, शिवसेना और जन सुराज पार्टी को एक-एक सीट मिली। दो निर्दलीय भी जीते।

पहली नजर में यह भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए की कामयाबी है। लेकिन सियासत का हिसाब सिर्फ सीटों से नहीं लगाया जाता।

वाराणसी में मोदी के गढ़ को चुनौती

उत्तर प्रदेश में भाजपा को 11 में से छह सीटें मिलीं, जबकि समाजवादी पार्टी ने पांच सीटें जीत लीं। सबसे चौकाने वाली बात प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संसदीय क्षेत्र



वाराणसी की है। यहां सपा ने शिक्षक (लाल बिहारी यादव) और स्नातक (आशुतोष सिन्हा), दोनों सीटों पर जीत दर्ज की। आगरा-अलीगढ़ शिक्षक सीट पर भी सपा ने भाजपा को मात दी। इलाहाबाद-झांसी स्नातक और लखनऊ स्नातक सीटें भी सपा के खाते में गईं।

यह महज कुछ सीटों का मामला नहीं है। अखिलेश यादव के लिए यह मनोवैज्ञानिक बढ़त है। वे इसे अपने पीडीए (पिछड़े, दलित, अल्पसंख्यक) समीकरण की कामयाबी बता रहे हैं। 2027 के विधानसभा चुनाव से पहले सपा को इससे नया हौसला मिलेगा।

भाजपा को समझना होगा कि मोदी के नाम पर हर चुनाव जीतने की गारंटी नहीं मिलती। स्थानीय नाराजगी, उम्मीदवारों की साख और सामाजिक समीकरण भी मायने

रखते हैं।

कर्नाटक में कांग्रेस को बड़ा झटका कर्नाटक में भाजपा-जेडी(एस) गठबंधन ने चारों सीटें जीतकर कांग्रेस सरकार को करारा राजनीतिक झटका दिया। बेंगलुरु शिक्षक सीट पर जेडी(एस) के ए.पी. रंगनाथ ने कांग्रेस के पुराने नेता पुष्टुन्ना को हराया। इससे भाजपा-जेडी(एस) गठबंधन की साझा ताकत सामने आई है।

नागपुर ने भाजपा के लिए असहज संदेश भेजा

महाराष्ट्र में कांग्रेस ने नागपुर स्नातक सीट बरकरार रखी। कांग्रेस के अभिजीत वंजारी ने भाजपा के सुधाकर कोहले को करीब 3,271 वोटों से हराया। नागपुर सिर्फ एक शहर नहीं, भाजपा और संघ

विश्व बचत दिवस विशेष: दस रुपये प्रतिदिन की बचत से आर्थिक आत्मनिर्भरता तक

○ डॉ. दीपक गोस्वामी

गरीब आदमी की सबसे बड़ी विडंबना केवल कम कमाई नहीं, बल्कि यह भी है कि उसकी मेहनत का बड़ा हिस्सा वर्तमान की जरूरतों में खर्च हो जाता है और भविष्य की आर्थिक सुरक्षा पीछे छूट जाती है। वह बच्चों के सपने देखता है, परिवार की चिंता करता है, बीमारी और बुढ़ापे से डरता है, लेकिन उसे अक्सर यह समझने का अवसर नहीं मिलता कि छोटी-छोटी बचत से आर्थिक मजबूती की शुरुआत कैसे की जा सकती है। अमीर बनने का पहला कदम बड़ी कमाई नहीं, पैसे के प्रति सही व्यवहार है। दस रुपये प्रतिदिन किसी को मामूली लग सकते हैं, लेकिन यही दस रुपये बचत की आदत, आर्थिक अनुशासन और भविष्य की तैयारी का आरंभ बन सकते हैं। विश्व बचत दिवस का वास्तविक संदेश यही है कि धन कमाना जितना आवश्यक है, उसे सँभालना, जोखिम से बचना और विवेकपूर्ण ढंग से बढ़ाने का प्रयास करना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। बचत केवल गुल्लक में सिक्के डालने का नाम नहीं। यह परिवार की सुरक्षा, बच्चों की शिक्षा, बुजुर्गों के सम्मान और संकट के समय आत्मनिर्भर बने रहने की तैयारी है।

दस रुपये प्रतिदिन किसी का वास्तविक ताकत

मान लीजिए, कोई परिवार प्रतिदिन दस रुपये बचाने का संकल्प लेता है। इस प्रकार औसतन तीन सौ रुपये महीने और तीन हजार छह सौ पचास रुपये वर्ष की बचत हो सकती है।

यदि यही रकम नियमित रूप से जमा की जाए, तो समय के साथ एक उपयोगी आर्थिक आधार तैयार हो सकता है। लेकिन परिणाम इस बात पर निर्भर करेगा कि पैसा कहाँ रखा गया है, कितनी अवधि तक जमा किया गया है और उस पर कितना वास्तविक प्रतिफल मिला है। तीन सौ रुपये महीने का अर्थ है दस वर्ष में छत्तीस हजार रुपये, बीस वर्ष में बहतर हजार रुपये, तीस वर्ष में एक लाख आठ हजार रुपये और चालीस वर्ष में एक लाख चवालीस हजार रुपये का कुल मूलधन। अब सोचिए, यदि बचत पर प्रतिफल भी मिलता रहे और उस प्रतिफल को दोबारा निवेश किया जाए, तो कुल राशि मूलधन से अधिक हो सकती है। इसी प्रक्रिया को चक्रवृद्धि वृद्धि कहा जाता है।

छोटी मासिक बचत से कितनी राशि बन सकती है?

नीचे दी गई तालिका में हर महीने तीन सौ रुपये जमा करने के अलग-अलग गणितीय उदाहरण प्रस्तुत हैं। अवधि कुल जमो 6.7 प्रतिशत वार्षिक अनुमाने 7.1 प्रतिशत वार्षिक अनुमाने 10 प्रतिशत वार्षिक अनुमाने 12 प्रतिशत वार्षिक अनुमान

10 वर्ष 36,000, 51,000, 52,000, 61,000, 69,000

20 वर्ष, 72,000, 1.51 लाख, 1.58 लाख, 2.28 लाख, 2.97 लाख
30 वर्ष 1.08 लाख, 3.45 लाख, 3.73 लाख, 6.78 लाख
40 वर्ष, 1.44 लाख, 7.24 लाख, 8.10 लाख, 18.97 लाख, 35.29 लाख
ये अनुमान महीने के अंत में तीन सौ रुपये जमा करने और मासिक चक्रवृद्धि गणना पर आधारित हैं। वास्तविक योजनाओं में ब्याज की गणना और जमा की शर्तें अलग हो सकती हैं। कर, शुल्क, महंगाई और अन्य कटौतियाँ इसमें शामिल नहीं हैं।

तालिका में 6.7 प्रतिशत और 7.1 प्रतिशत केवल गणना के लिए प्रयुक्त दरें हैं। 10 प्रतिशत और 12 प्रतिशत बाजार निवेश के काल्पनिक प्रतिफल हैं, किसी योजना के सुनिश्चित लाभ नहीं। चालीस वर्षों में कुल जमा केवल एक लाख चवालीस हजार रुपये है। यदि निवेश पर लगातार 12 प्रतिशत वार्षिक प्रतिफल मिलता रहे, तो गणितीय अनुमान लगभग पैंतीस लाख रुपये तक पहुँच सकता है। लेकिन वास्तविक शेयर बाजार में प्रतिफल लगातार एक जैसा नहीं मिलता। नुकसान भी हो सकता है। और याद रखिए, भविष्य में मिलने वाले पैंतीस लाख रुपये की क्रयशक्ति आज के पैंतीस लाख रुपये के बराबर नहीं होगी। महंगाई समय के साथ धन की वास्तविक उपयोगिता को कम कर सकती है। इसलिए सही संदेश यह नहीं कि दस रुपये रोज जमा करके करोड़पति बनाना निश्चित है। सही संदेश यह है कि नियमित बचत, लंबी अवधि और विवेकपूर्ण निवेश आर्थिक संभावनाओं को बेहतर बना सकते हैं।

पहला रास्ता : डाकघर और बैंक की बचत

हर व्यक्ति बाजार का जोखिम नहीं उठा सकता। जिसकी आय सीमित है, जिस पर बच्चों या बुजुर्गों की जिम्मेदारी है अथवा जिसे निकट भविष्य में धन की आवश्यकता पड़ सकती है, उसके लिए पहले सुरक्षित बचत की नींव बनाना महत्वपूर्ण है। भारत में डाकघर की छोटी बचत योजनाएँ नियमित बचत के लिए उपयोगी विकल्प हैं। एक अक्टूबर से इकतीस दिसंबर 2026 तक पाँच वर्षीय आवर्ती जमा योजना की वार्षिक ब्याज दर 6.7 प्रतिशत और सार्वजनिक भविष्य निधि की दर 7.1 प्रतिशत है। ये वर्तमान निर्धारित अवधि की दरें हैं, इन्हें आने वाले दशकों की निश्चित दर नहीं माना जा सकता। आवर्ती जमा नियमित किस्तों के माध्यम से बचत करना सिखाती है। सार्वजनिक भविष्य निधि लंबी अवधि की बचत का विकल्प है, जिसकी अपनी जमा सीमा, परिपक्वता अवधि और निकाली संबंधी शर्तें हैं।

योजना चुनने से पहले यह अवश्य समझें कि आपका पैसा कितने समय के लिए बैठागा, ब्याज किस प्रकार जुड़ेगा, समय से पहले निकाली संभव है या नहीं और कर संबंधी नियम क्या हैं।

सबसे पहले इतना धन अलग रखने का प्रयास करें, जिससे बीमारी, रोजगार छूटने या किसी आकस्मिक पारिवारिक जरूरत के समय तत्काल कर्ज लेने की मजबूरी कम हो सके।

जिस परिवार के पास भोजन और दवाइयों के लिए पर्याप्त धन नहीं है, उसे बचत के नाम पर आवश्यक खर्च रोकेने की सलाह देना उचित नहीं। पहले जीवन की अनिवार्य जरूरतें, फिर आर्थिक सामर्थ्य के अनुसार बचत—यही व्यवहारिक दृष्टिकोण है।

दूसरा रास्ता : एसआईपी और चक्रवृद्धि वृद्धि

एसआईपी अर्थात व्यवस्थित निवेश योजना, म्यूचुअल फंड में नियमित अंतराल पर निवेश करने का तरीका है। इसके माध्यम से व्यक्ति अपनी क्षमता के अनुसार छोटी रकम से भी निवेश शुरू कर सकता है। मान लीजिए, कोई व्यक्ति हर महीने तीन सौ रुपये निवेश करता है। बीस वर्षों में उसका कुल निवेश बहतर हजार रुपये होगा। यदि गणना के लिए 10 प्रतिशत वार्षिक प्रतिफल की काल्पनिक धारणा ली जाए, तो अंतिम राशि लगभग दो लाख अड़ईस हजार रुपये हो सकती है। 12 प्रतिशत की काल्पनिक धारणा पर यह लगभग दो लाख सत्तानवे हजार रुपये हो सकती है। लेकिन ये संभावनाओं को समझाने वाले उदाहरण हैं, भविष्य की गारंटी नहीं। म्यूचुअल फंड का मूल्य बढ़ भी सकता है और घट भी सकता है। निवेशक को मूलधन में हानि उठानी पड़ सकती है। पिछले वर्षों का प्रतिफल भविष्य के लाभ का प्रमाण नहीं है। इसलिए एसआईपी शुरू करने से पहले अपनी आय, लक्ष्य, निवेश अवधि और जोखिम सहने की क्षमता का आकलन करें। जिस धन की निकट भविष्य में आवश्यकता पड़ सकती है, उसे केवल अधिक लाभ की आशा में जोखिम वाले निवेश में लगाना उचित नहीं है।

तीसरा रास्ता : शेयर बाजार का सच

शेयर खरीदने का अर्थ किसी कंपनी में हिस्सेदारी लेना है। कंपनी अच्छा प्रदर्शन करे और उसके शेयर का मूल्य बढ़े, तो निवेशक को लाभ हो सकता है। लेकिन कंपनी की आय घटने, कारोबार बिगड़ने या बाजार में गिरावट आने पर शेयर का मूल्य भी घट सकता है। सबसे बड़ी गलती यह होती है, जब कोई व्यक्ति दूसरों की कमाई देखकर बिना समझे निवेश शुरू कर देता है। किसी परिचित ने एक वर्ष में पैसा दोगुना कर लिया, इसका अर्थ यह नहीं कि आपका पैसा भी दोगुना होगा। सामाजिक माध्यम पर दिखाई गई कमाई की तस्वीर निवेश की सुरक्षा का प्रमाण नहीं है। नए निवेशक को कंपनी के कारोबार, वित्तीय स्थिति, जोखिम, निवेश की लागत और विविधीकरण को समझना चाहिए। बिना जानकारी उधार लेकर शेयर खरीदना, एक ही कंपनी में सारी बचत लगाना या तेजी से धनवान बनने के लिए

लेना भारी पड़ सकता है। विपक्ष की हर जीत को साजिश या संयोग बताकर खारिज करना भी समझदारी नहीं है। आखिरकार जनता को भाषण नहीं, काम चाहिए।

एक और दिलचस्प पहलू है। ये चुनाव बैलेट पेपर से हुए। भाजपा नेतृत्व ने इसे ईवीएम पर विपक्ष के सवालों का जवाब बताया है। प्रधानमंत्री मोदी ने खुद सोशल मीडिया पर कांग्रेस के शून्य प्रदर्शन पर तंज कसा। लेकिन चुनावी भरोसे की बहस केवल एक चुनाव के नतीजे से खत्म नहीं होती।

विधान परिषद के शिक्षक और स्नातक मतदाता आम चुनावों के पूरे जनमत का प्रतिनिधित्व नहीं करते। फिर भी उनके रुझान कुछ सामाजिक और राजनीतिक बदलावों की आहट दे सकते हैं। 2027 का उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव सामने है। भाजपा के पास मजबूत संगठन और सत्ता का अनुभव है। लेकिन सपा ने चुनौती की जमीन तलाशनी शुरू कर दी है।

सवाल सिर्फ यह नहीं कि भाजपा कितनी सीटें जीती। सवाल यह है कि इन नतीजों से वह कितना सबक लेती है। क्योंकि सियासत में जीत का जश्न मनाने वाले अक्सर भूल जाते हैं कि जनता का मिजाज बदलते देर नहीं लगती। आखिर लोकतंत्र में कोई भी गढ़ हमेशा के लिए अभेद्य नहीं होता।

सट्टेबाजी करना परिवार की आर्थिक सुरक्षा को खतरे में डाल सकता है। शेयर बाजार में निवेश का उद्देश्य समझदारी से संपत्ति बनाने का प्रयास होना चाहिए, रातोरात अमीर बनने का प्रयास नहीं।

चौथा रास्ता : बीमा, परिवार की आर्थिक ढाल

कल्पना कीजिए, परिवार का कमाने वाला व्यक्ति अचानक दुनिया से चला जाए या गंभीर बीमारी के कारण काम करने में असमर्थ हो जाए। ऐसी स्थिति में केवल छोटी बचत परिवार की सारी जिम्मेदारियों पूरी नहीं कर सकती। यही बीमा की उपयोगिता सामने आती है। जीवन बीमा कमाने वाले व्यक्ति की मृत्यु होने पर परिवार को आर्थिक सहायता दे सकता है, बशर्ते संबंधित जोखिम पॉलिसी में शामिल हो और उसकी शर्तें पूरी हों। शुद्ध अवधि जीवन बीमा यानी टर्म इश्योरेंस का प्रमुख उद्देश्य निर्धारित अवधि के दौरान मृत्यु होने पर नियमित व्यक्ति को बीमा राशि उपलब्ध कराना है। इसमें सामान्यतः अवधि पूरी होने पर परिपक्वता राशि नहीं मिलती। स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी की शर्तों के अंतर्गत आने वाले उपचार और अस्पताल संबंधी खर्चों में सहायता कर सकता है। लेकिन हर खर्च का भुगतान अनिवार्य रूप से हो, ऐसा नहीं है।

बीमा राशि, अपवाद, प्रतीक्षा अवधि, सह-भुगतान और अन्य नियमों को समझना आवश्यक है। बीमा का मुख्य उद्देश्य आर्थिक जोखिम से सुरक्षा है, केवल निवेश पर लाभ कमाना नहीं। प्रीमियम और सुरक्षा की राशि व्यक्ति की आयु, स्वास्थ्य, बीमा राशि, पॉलिसी के प्रकार और अन्य शर्तों के अनुसार बदलती है।यदि कोई योजना बीमा और निवेश दोनों का संयोजन है, तो उसके सुनिश्चित लाभ और गैर-सुनिश्चित लाभ अलग-अलग समझें। केवल बड़ी परिपक्वता राशि के विज्ञापन से प्रभावित होकर पॉलिसी न खरीदें। परिवार की जिम्मेदारियों के अनुसार पर्याप्त जीवन और स्वास्थ्य बीमा पर विचार करना समझदारी है। लेकिन प्रीमियम इतना अधिक भी न हो कि रोजमर्रा की जरूरतें और आवश्यक बचत ही प्रभावित होने लेंगे।

अंतिम जम के लिए आर्थिक आत्मनिर्भरता का रास्ता

आर्थिक योजना हर परिवार की परिस्थिति के अनुरूप होनी चाहिए। नियमित आय वाले व्यक्ति के लिए मासिक बचत का अनुशासन उपयोगी है। अनियमित आय वाले व्यक्ति के लिए अस्थी आय वाले दिनों में कुछ रकम अलग रखना अधिक व्यवहारिक हो सकता है। महंगे कर्ज से दबे परिवार को पहले ब्याज की लागत और आवश्यक खर्चों का हिसाब करना चाहिए। पारिवारिक की आय अभी भोजन, दवा और शिक्षा की जरूरतें पूरी करने में ही समाप्त हो जाती है, उसे आवश्यक निवेश लक्ष्य देने के बजाय आय बढ़ाने, खर्च व्यवस्थित करने और उपलब्ध सहायता तक पहुँचने के रास्ते खोजने चाहिए।

जिससे आपके करियर की बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और किसी महत्वपूर्ण यात्रा का योग बनेगा। व्यावसायिक साझेदारों के साथ संबंध मजबूत होंगे जिससे व्यापार में बड़ा मुनाफा मिलेगा। सूर्य देव के बीज मंत्र का जाप करें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो।

मीन

आज आर्थिक लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और किसी भी अनजान योजना में सोच-समझकर ही पैसा लगाएं। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और जीवनसाथी का पूरा सहयोग आपके साथ बना रहेगा। उगत हुए सूर्य के दर्शन करके दिन की शुरुआत करें जिससे आपके सभी मानसिक तनाव दूर हों।

जिससे आपके करियर की बाधाएं समाप्त होंगी।

कुंभ

आज आध्यात्मिक और सामाजिक कार्यों में आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी और किसी महत्वपूर्ण यात्रा का योग बनेगा। व्यावसायिक साझेदारों के साथ संबंध मजबूत होंगे जिससे व्यापार में बड़ा मुनाफा मिलेगा। सूर्य देव के बीज मंत्र का जाप करें जिससे आपकी आर्थिक स्थिति और अधिक मजबूत हो।

मीन

आज आर्थिक लेन-देन में पूरी सावधानी बरतें और किसी भी अनजान योजना में सोच-समझकर ही पैसा लगाएं। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा और जीवनसाथी का पूरा सहयोग आपके साथ बना रहेगा। उगत हुए सूर्य के दर्शन करके दिन की शुरुआत करें जिससे आपके सभी मानसिक तनाव दूर हों।

आज का वास्तु शोधनम सूर्य

रविवार के दिन घर की पूर्व दिशा को पूरी तरह सव्छ रखकर वहां लाल और सुनहरे रंग के पुष्प सजाने तथा मुख्य द्वार पर तांबे का सूर्य प्रतीक चिन्ह लगाने से घर का गंभीर वास्तु दोष समाप्त होता है तथा सूर्य देव की कृपा से घर में तेज, ऊर्जा, यश और अखंड समृद्धि का स्थायी वास होता है।

जातकों को बड़ी सफलता मिलेगी और भरपूर जनसमर्थन प्राप्त होगा। दांपत्य जीवन में मधुरता बनी रहेगी और जीवनसाथी के साथ किसी मांगलिक कार्य में भाग लेंगे। किसी वृद्ध व्यक्ति की सेवा करें जिससे आपके जीवन में शांति बनी रहे।

वृश्चिक

आज आपके सोचे हुए सभी शासकीय और कानूनी कार्य बिना किसी रुकावट के समय पर पूरे होंगे। अपने स्वास्थ्य का थोड़ा ध्यान रखें और दिनचर्या को पूरी तरह संयमित रखने का प्रयास करें। मंदिर में तांबे की वस्तु दान करें जिससे आपके सभी विरोधी और शत्रु शांत रहें।

धनु

आज भाग्य का पूरा साथ मिलने से आपके सभी अटके हुए प्रोजेक्ट तेजी से आगे बढ़ेंगे और मन प्रफुल्लित रहेगा। धार्मिक गतिविधियों और सेवा कार्यों में आपकी गहरी रुचि रहेगी जिससे आत्मिक शांति मिलेगी। जरूरतमंदों को भोजन कराएं जिससे आपके मार्ग प्रशस्त हों।

मकर

आज नौकरीपेशा लोगों को पदोन्नति या नई जिम्मेदारी मिलने के बहुत ही सुंदर योग बन रहे हैं। पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई पुराना विवाद आपसी बातचीत से सुलझ सकता है। रविवार का व्रत रखें

और सुदृढ़ होगी। सूर्य नमस्कार करें जिससे आपके यश और कीर्ति में वृद्धि हो।

कन्या

आज आपकी आर्थिक स्थिति में बड़ा सुधार देखने को मिलेगा और लंबे समय से रुका हुआ धन वापस मिलेगा। व्यापारियों को नए व्यावसायिक अनुबंध मिलने की पूरी संभावना बन रही है। गाय को रोटी और गुड़ खिलाएं जिससे आपके मार्ग की सभी रुकावटें दूर हों।

तुला

आज कला संस्कृति और सामाजिक कार्यों से जुड़े

अस्पताल के कमरे में मिला वार्ड बॉय का शव, कई दिनों से पड़ा था बेसुध!

सीएचसी के सरकारी आवास में सद्विग्ध हालात में मौत, पत्नी से चल रहा था पारिवारिक विवाद

टीएनएफ टुडे, पटियाली।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र(सीएचसी) में तैनात एक वार्ड बॉय का सद्विग्ध परिस्थितियों में शव मिलने से स्वास्थ्य विभाग और इलाके में सनसनी फैल गई। कई दिनों से संपर्क न होने पर जब परिजन अस्पताल परिसर स्थित उसके आवास पर पहुंचे, तो वह चारपाई पर मृत अवस्था में मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की छानबीन शुरू कर दी है।

मूलरूप से थाना कासगंज क्षेत्र के मजीदपुर निवासी 35 वर्षीय राहुल पुत्र सुघर सिंह पटियाली सीएचसी में वार्ड बॉय के पद पर कार्यरत था। वह अस्पताल परिसर स्थित सरकारी आवास



के एक कमरे में अकेला रहता था।

कई दिनों से नहीं हो रहा था संपर्क

परिजनों के मुताबिक, पिछले कई दिनों से राहुल का फोन नहीं उठ रहा था और उससे कोई संपर्क नहीं हो पा रहा था। अनहोनी की आशंका के चलते बृहस्पतिवार शाम राहुल की मां लता देवी और भाई गौरव पटियाली सीएचसी पहुंचे। वे

सीधे उसके कमरे पर गए तो दरवाजा अंदर से बंद मिला।

भाई गौरव ने काफी आवाज लगाई, लेकिन अंदर से कोई जवाब नहीं मिला। इसके बाद जब उसने दरवाजे को धक्का दिया, तो अंदर लगी कुड़ी खुलकर नीचे गिर गई।

चारपाई पर बेसुध मिला वार्ड बॉय

कमरे के अंदर का नजारा देख परिजनों के होश उड़ गए। राहुल

■ कई दिनों से फ़ोन नहीं उठा रहा था राहुल, मां और भाई पहुंचे तो खुला मौत का राज

■ कमरे की अंदर से बंद थी कुड़ी, चारपाई पर टंटा पड़ा मिला 35 वर्षीय वार्ड बॉय

■ फ़ोरेसिक टीम ने जुटाए साक्ष्य, पोस्टमार्टम रिपोर्ट से खुलेगा मौत का राज

चारपाई पर बेसुध अवस्था में पड़ा था और उसका शरीर पूरी तरह टंडा पड़ चुका था। चीख-पुकार की आवाज सुनकर सीएचसी के अन्य कर्मचारी भी मौके पर दौड़ पड़े। आनन-फ़ानन में ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सक ने उसकी जांच की, लेकिन तब तक उसकी सांसे थम चुकी थीं और डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

घटना की सूचना मिलते ही कोतवाली प्रभारी निरीक्षक सतेंद्र

कोतवाली प्रभारी ने बैंक का किया निरीक्षण

कासगंज। शहर कोतवाली प्रभारी निरीक्षक जगदीशचंद्र ने शुक्रवार को सोरो गेट स्थित भारतीय स्टेट बैंक की शाखा का भ्रमण एवं निरीक्षण किया। इस दौरान बैंक परिसर, मुख्य प्रवेश, नििकास द्वार, आसपास के क्षेत्र का बारीकी से निरीक्षण किया। बैंक में मौजूद सद्विग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की, बैंक के आसपास खड़े वाहनों की चेकिंग की। साथ ही बैंक में उपस्थित लोगों, बैंक कर्मचारियों को सुरक्षा के कृत्रिगत सतर्क रहने किसी भी सद्विग्ध व्यक्ति अथवा गतिविधि की सूचना तत्काल पुलिस को देने के लिए जागरूक किया। पुलिस टीम ने बैंक एवं आसपास के क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था का जायजा लेते हुए सतर्कतापूर्वक चेकिंग की।

किशोरी को सांप ने डसा, जिला अस्पताल में भर्ती

कासगंज। ढोलना थाना क्षेत्र के करसरी गांव की एक किशोरी को शुक्रवार को सर्प ने डस लिया। जानकारी पर परिजन उसे जिला अस्पताल लाए। जहां चिकित्सकों ने किशोरी को भर्ती करके उपचार शुरू कर दिया है। जिला अस्पताल से प्राप्त जानकारी के अनुसार शुक्रवार की सुबह 14 वर्षीय निकी की पुत्री नरेंद्र कुमार निवासी करसरी ढोलना को उपचार के लिए लाया गया। परिजनों ने बताया कि किशोरी को सांप ने डस लिया है। इसके बाद चिकित्सकों ने किशोरी को भर्ती कर लिया।

बुखार के कहर से स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप, गांव में उतरी टीम

डेंगू-मलेरिया की आशंका पर एडी हेल्थ ने संभाली कमान



टीएनएफ टुडे, ढोलना।

थाना क्षेत्र के इटऊआ गांव में जानलेवा बुखार, मलेरिया और डेंगू के बढ़ते प्रकोप को देखते हुए स्वास्थ्य विभाग में हड़कंप मच गया है। शुक्रवार को अलीगढ़ से आए स्वास्थ्य विभाग के अरफ रामवीर, अजय, नरेश, आशु, निदेशक (एडी हेल्थ) डॉ. नीरज ने स्थानीय स्वास्थ्य टीम के साथ गांव में डेरा डाला। टीम ने घर-घर जाकर बीमार पुरुषों, महिलाओं और बच्चों का मुआयना किया तथा उनके खून के नमूने लेकर जांच के लिए भेजे।

दबंग कर रहे पीड़ित की जमीन पर कब्जा

पीड़िता ने डीएम को शिकायती पत्र देकर उठाई कार्यवाही की मांग

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

जिलाधिकारी कार्यालय पर एक पीड़िता हंसमुखी ने डीएम को एक शिकायती पत्र दिया है जिसमें उन्होंने बताया है कि उसकी भूमि गाटा स० 536/0.652 स्थित ग्राम कासिम पर मिहारी परगना सोरो की मेड बंदी के बाद 27 नवंबर 2024 को पुलिस थाना कासगंज की मौजूदगी में पैमाइस कर पक्की पटिया लगवा दी गई थी। लेकिन विपक्षीय वीरेंद्र पुत्र रामपाल व दुर्गेश पत्नी वीरेंद्र व जावित्री पत्नी गीतम सिंह व गीतम सिंह व नेकसे लाल पुत्रगण अयोध्या प्रसाद निवासीगण मिहारी ने दबंगई के बल पर उस पटिया को उखाड़कर गायब कर दिया, और उसकी भूमि पर रास्ता कायम कर लिया है। पीड़िता ने प्रासन को पुनः सूचित कर 10 सितम्बर 2026 को

राजस्व निरक्षक पृथ्वीराज सिंह ने मौके पर जाकर वह पटिया पुनः गढ़वा दी। उपरोक्त विपक्षीयों ने गुंडागर्दी के बल पटिया को फिर से उखाड़ कर फेंक दिया है। पीड़िता अधिकारियों के चक्कर काट रही है लेकिन उसकी कोई सुनने वाला नहीं है।

30 अक्टूबर को पीड़िता ने डीएम को शिकायती पत्र देकर दबंगों के खिलाफ कानूनी कार्यवाही करने की मांग उठाई है। पीड़िता हंसमुखी ने बताया कि वो दबंग किस्म के लोग है और उनकी राजनैतिक पहुंच अच्छी है। जिससे वह लोग एलान करके किसी भी सूरत में मुझे व मेरे परिवार को जान से मारने की धमकी दे रहे हैं। विधायक का विपक्षियों के फेवर में लेटर भेज उसकी जमीन पर कब्जा कराने की कोशिश कर रहे हैं।

दिवाली से पहले किसानों के खातों में बरसी सम्मान निधि, 2 लाख अन्नदाताओं को मिली सौगात

पीएम-किसान की २4वीं किस्त का हस्तांतरण, किसानों को गेहूँ के बीज पर 50% अनुदान

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

30 अक्टूबर 2026 को दिवाली के मुहाने पर खड़े अन्नदाताओं के लिए शुक्रवार का दिन बड़ी सौगात लेकर आया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुजरात के बनासकांठा से आयोजित भव्य कार्यक्रम के जरिए प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 24वीं किस्त का डिजिटल हस्तांतरण किया। इसके साथ ही कासगंज जनपद के करीब 2 लाख किसानों के बैंक खातों में सम्मान निधि की धनराशि सीधे पहुंच गई, जिससे किसानों के चेहरे खुशी से खिल उठे।

जिला मुख्यालय पर उप कृषि निदेशक कार्यालय के सभागार में मुख्य विकास अधिकारी (उड्ड) वीरेंद्र सिंह की अध्यक्षता में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसमें भारी संख्या में पहुंचे



किसानों ने प्रधानमंत्री के लाइव प्रसारण को बड़े उत्साह के साथ देखा।

कार्यक्रम के दौरान कृषि विज्ञान केंद्र, मोहनपुर के वैज्ञानिकों ने 'खेत बचाओ अभियान' के तहत रबी फसलों की उन्नत तैयारियों और

जिला प्रशासन में उस वक्त हड़कंप मच गया जब जिलाधिकारी प्रणय सिंह ने शुक्रवार को अशोक नगर स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। अचानक पहुंचे डीएम ने अस्पताल की व्यवस्थाओं को टटोला और मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत परखी।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सबसे पहले ओपीडी का रुख

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

जिला प्रशासन में उस वक्त हड़कंप मच गया जब जिलाधिकारी प्रणय सिंह ने शुक्रवार को अशोक नगर स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण किया। अचानक पहुंचे डीएम ने अस्पताल की व्यवस्थाओं को टटोला और मरीजों को दी जा रही स्वास्थ्य सेवाओं की जमीनी हकीकत परखी।

निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने सबसे पहले ओपीडी का रुख

पेड़ बना काल! हाईटेंशन तार टूटकर बाइक सवार पर गिरा, मौके पर मौत तीन मासूम बच्चों के सिर से उठा पिता का साया

■ 11 हजार वोल्ट की लाइन तोड़ते हुए बाइक पर गिरा यूकेलिटस का पेड़

■ फेरी लगाकर परिवार पालता था 30 वर्षीय मौले, हादसे में गई जान

■ पत्नी और तीन बच्चों का रो-रोकर बुरा हाल, गांव में पसरा मातम

सहावर। थाना क्षेत्र के खितौली नहर मोड़ के समीप शुक्रवार सुबह एक दिल दहला देने वाला हादसा सामने आया। सड़क किनारे खड़ा एक भारी-भरकम यूकेलिटस का पेड़ अचानक 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन विद्युत लाइन को अपनी चपेट में लेते हुए बाइक सवार फेरीवाले पर आ गिरा। इस भीषण हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद से मृतक के परिवार में कोहराम मचा हुआ है। मृतक के पिता चिरौंजी ने जानकारी देते हुए बताया कि यह हादसा शुक्रवार सुबह करीब 8 बजे का है।



थाना अमांपुर क्षेत्र के ग्राम खुशहालपुर निवासी 30 वर्षीय भोले पुत्र चिरौंजी बाइक पर फेरी लगाकर अपना और अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे।

रोज की तरह शुक्रवार की सुबह भी भोले अपने काम के सिलसिले में सहावर-एटा मार्ग से गुजर रहे थे। जैसे ही उनकी बाइक खितौली नहर मोड़ से कुछ दूरी पहले पहुंची, तभी सड़क किनारे खड़ा एक पुराना और जर्जर यूकेलिटस का पेड़ अचानक भरभराकर सड़क पर आ गिरा। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, पेड़ गिरते वक्त वहां से गुजर रही 11 हजार वोल्ट की हाईटेंशन विद्युत लाइन की चपेट में आ गया। तारों को तोड़ता हुआ भारी पेड़ सीधे बाइक

सवार भोले के ऊपर जा गिरा।

हाइवे पर हुए इस अचानक हादसे से पेड़ और बिजली के तारों के नीचे दबकर बाइक पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। भोले को संभलने का मौका तक नहीं मिला और गंभीर चोटें आने से उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई।

मासूमों के सिर से उठा पिता का साया

घटना के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई और राहगीरों की भारी भीड़ जमा हो गई। स्थानीय लोगों ने तुरंत इसकी सूचना पुलिस और विद्युत विभाग को दी। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पंचनामा भरने के बाद पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

अचानक हुए इस हादसे ने एक हंसपते-खेते परिवार को उजाड़ कर रख दिया है। मृतक की पत्नी सीमा तथा उनके तीनों मासूम बच्चों— बेटा शनि (11 वर्ष), बेटी आशिकी (9 वर्ष) और बेटी तनु (8 वर्ष) का रो-रोकर बुरा हाल है।

अस्पताल में डीएम की दस्तक, मरीजों से पूछा- इलाज के नाम पर पैसे तो नहीं मांगते?

स्वास्थ्य केंद्र का औचक निरीक्षण, दवाओं की उपलब्धता और उपचार व्यवस्था परखी

■ ओपीडी में मरीजों की संख्या और दवाओं के स्टॉक का लिया जायजा

■ तीमारदारों से सीधे पूछा- सभी दवाएं गुप्त मिल रही हैं या नहीं?

■ स्वास्थ्य कर्मियों को सख्त हिदायत, मरीजों को बेहतर इलाज देने के निर्देश



किया। उन्होंने वहां आने वाले मरीजों की संख्या, उनके उपचार के तौर-तरीकों और केंद्र पर दवाइयों की उपलब्धता का बारीकी से जायजा लिया। औचक निरीक्षण की गंभीरता को देखते हुए डीएम ने सिर्फ फाइलों तक सीमित न रहकर सीधे मरीजों और उनके तीमारदारों से संवाद किया।

उन्होंने तीमारदारों से खुलकर पूछा कि क्या उन्हें अस्पताल में सभी दवाइयां मुफ्त मिल रही हैं और डॉक्टर सही से उपचार कर रहे हैं या नहीं। सबसे अहम बात

यह रही कि डीएम ने तीमारदारों से यह भी जानकारी ली कि स्वास्थ्य सेवाओं के नाम पर किसी कर्मचारी या अन्य व्यक्ति द्वारा अवैध रूप से पैसों की मांग तो नहीं की जा रही है।

व्यवस्थाओं का जायजा लेने के बाद जिलाधिकारी ने मौके पर मौजूद अधिकारियों और स्वास्थ्य कर्मियों को कड़ी हिदायत दी। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि शासन की मंशा के अनुरूप प्रत्येक मरीज को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं मिलनी चाहिए।

डीएम प्रणय सिंह ने यह सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिए कि अस्पताल में जरूरी दवाइयों का पर्याप्त स्टॉक हमेशा उपलब्ध रहे, ताकि उपचार के दौरान किसी भी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

निरीक्षण के दौरान स्वास्थ्य केंद्र के संबंधित अधिकारी और कर्मचारी मुरदेद नजर आए। डीएम के इस औचक निरीक्षण से महकमे में दिनभर चचाओं का बाजार गर्म रहा।

सीज के बाद भी धड़ल्ले से चल रहा था अस्पताल, बिना लाइसेंस हो रहे थे ऑपरेशन!

टीएनएफ टुडे, कासगंज।

शहर के नदरई गेट स्थित मिशन चोर्गह पर बिना रजिस्ट्रेशन और ऑपरेशन थियेटर (ओटी) लाइसेंस के संचालित हो रहे सिद्धि विनायक हॉस्पिटल एंड कौशल अट्रॉसाउंड सेंटर पर स्वास्थ्य विभाग ने शिकंजा कस दिया है। नोडल अधिकारी डॉ. मदन कुमार ने पुलिस बल की मौजूदगी में छापेमारी कर अस्पताल को सीज कर दिया। जांच के दौरान अस्पताल में हट्टी का ऑपरेशन कराए

मरीज भर्ती मिले। अस्पताल में बिना वैध अनुमति के ऑपरेशन किए जाने की शिकायत पर स्वास्थ्य विभाग ने सख्त कार्रवाई की। वहीं, फर्जी तरीके से ऑपरेशन करने वाले डॉ. हरेंद्र कुमार अतरी को कड़ी चेतावनी दी गई। स्वास्थ्य विभाग को सूचना मिली थी कि सिद्धि विनायक हॉस्पिटल का न तो पंजीकरण है और न ही ऑपरेशन थियेटर संचालन का लाइसेंस। इसके बावजूद अस्पताल में मरीजों की सर्जरी की जा रही है। सूचना के आधार पर

नोडल अधिकारी डॉ. मदन कुमार पुलिस बल के साथ अस्पताल पहुंचे। मौके पर जांच के दौरान हाल ही में हट्टी का ऑपरेशन कराए गए मरीज भर्ती मिले। नोडल अधिकारी ने मरीजों से पूछताछ की और अस्पताल में उपचार की स्थिति की जानकारी ली। जांच में अस्पताल का संचालन बिना जरूरी पंजीकरण और ओटी लाइसेंस के किए जाने की बात सामने आने पर स्वास्थ्य विभाग ने तत्काल सीज करने की कार्रवाई की। विभाग की इस कार्रवाई



से अवैध रूप से संचालित अस्पतालों में खलबली मच गई। सिद्धि विनायक हॉस्पिटल पहले भी विवादों और कार्रवाई को लेकर सुर्खियों में रहा है। पिछले दो वर्षों में यह अस्पताल कई बार सीज किया जा चुका है। महज दो महीने पहले भी स्वास्थ्य विभाग ने अस्पताल को सीज किया था। इसके बावजूद अस्पताल में कथित तौर पर अवैध तरीके से इलाज और ऑपरेशन का सिलसिला जारी रहा।

बार-बार कार्रवाई के बाद भी अस्पताल

का दोहरा संचालित होना स्वास्थ्य विभाग की निगरानी और कार्रवाई की प्रभावशीलता पर सवाल खड़े करता है। बिना पंजीकरण और ओटी लाइसेंस के हट्टी के ऑपरेशन किए जाने से मरीजों की सुरक्षा पर भी गंभीर सवाल उठ रहे हैं। नोडल अधिकारी डॉ. मदन कुमार ने बताया कि मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजय कुमार के निर्देशन में जिलेभर में अवैध अस्पतालों, क्लीनिकों, पैथोलॉजी लेब और डायग्नोस्टिक सेंटरों के खिलाफ लगातार अभियान चलाया जा

रहा है। बिना पंजीकरण और निर्धारित मानकों के विपरीत संचालित किसी भी स्वास्थ्य संस्थान को बख्शा नहीं जाएगा। ऐसे संस्थानों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

स्वास्थ्य विभाग की इस कार्रवाई के बाद अब सवाल यह है कि दो महीने पहले सीज किए गए अस्पताल में फिर से ऑपरेशन कैसे शुरू हो गए और मरीजों की जान से खिलवाड़ करने वाले इस तरह के संस्थानों पर स्थायी रोक लगाने के लिए क्या कदम उठाए जाएंगे।



ये 4 ट्रिक्स अपनाकर हर जगह लोगों को कर सकते हैं कनविस

आजकल सबसे मुश्किल कामों में से एक है दूसरों को कनविस करना, यानी अपनी बात मनवाना। यह भी एक स्किल है। अगर आपमें यह स्किल मौजूद है, तो आप निजी जीवन और करियर में भी सफल रहेंगे। जानें अपनी बात मनवाने के कुछ नुस्खे।

३ तर्क दें

अपनी बात मनवाने के उका तार्किक होना बहुत है और तार्किक होने के उके पास जाने वाले विषय का रर होना चाहिए। गैडट्स में वजन होना सामने वाले को कभी पसना न लगे कि आप खुद को बहुत विद्वान दिखा रहे हैं। नही तो उसका ईगो आ सकता है और वह किसी भी कीमत पर आपकी बात मानना तो दूर, सुनना भी नहीं चाहेगा।

विनम्रता से बोलें

आप जो भी बात करें, उसे बहुत विनम्रता के साथ करें। इससे सामने वाले के अहम को ठेस नहीं लगेगी और वह आपकी बात सुनेगा। कोई भी बात स्पीड में न बोलें, नही तो सामने वाले को समझने में दिक्कत आ सकती है और साथ ही वह आपकी बात में रुचि नहीं लेगा, चाहे बात कितनी भी वजनदार क्यों न हो।

बॉडी लैंग्वेज हो सही

आपकी बॉडी लैंग्वेज में अकड़ नही दिखना चाहिए। हमेशा अपनी स्वाभाविक स्टाइल में रहे। न कभी झुककर बैठें और न ही झुककर खड़े हों। सीधे बैठने और खड़े रहने से आपका आत्मविश्वास झलकता है, जिससे सामने वाला प्रभावित होता है। बात करते समय आई-कॉन्टैक्ट बनाए रखें। चेहरे पर मंद मुस्कान जरूर बनाए रखें। इससे सामने वाले को सकारात्मक संकेत जाएगा।

बात काटें नहीं

अगर आप चाहते हैं कि सामने वाला आपकी बात सुने, तो वह भी आपके बारे में यही सोच रहा होता है। इसलिए एक-दूसरे की बात को सुनें और सामने वाले की बात पूरी होने पर ही अपनी बात रखें, उसकी बात काटें नहीं।



मेडिकल प्रवेश के लिए हर साल लाखों छात्र तैयारी करते हैं और अपनी-अपनी रणनीति तय करते हैं। कुछ टिप्स, जो न केवल मेडिकल प्रवेश परीक्षा की तैयारी में, बल्कि किसी भी अन्य प्रतियोगी परीक्षा में भी महत्वपूर्ण होंगे। यहां यह बताना जरूरी है कि देश के लगभग सभी सफल लोगों की यही रणनीति रही है।

- सबसे पहले अपनी मेडिकल परीक्षा के सिलेबस को अच्छी तरह जान लें और उससे संबंधित अध्ययन सामग्री को लाइब्रेरी तैयार कर लें। उपयुक्त अध्ययन सामग्री के चयन में अपने शिक्षक से सलाह लें।
- तैयारी में अपनी पढ़ाई के घंटे न जोड़ें, बल्कि उन घंटों में अपनी उपलब्धि पर ध्यान दें।
- पिछले पांच वर्षों के प्रश्न-पत्र हल करने का प्रयास करें। आप समझ जायेंगे कि आपको कैसी जरूरत है।



स्पा मैनेजमेंट में इस तरह बना सकते हैं शानदार करियर

ज्या

दातर लोग कुछ दिन रिलैक्स करने के लिए अलग-अलग पर्यटन स्थलों की शॉर्ट या लॉन्ग ट्रिप प्लान करते हैं। ऐसी जगहों पर स्पा सेंटर्स की ख़ासी मांग होती है, जिसका कारण है यहां मिलने वाली मसाज थैरेपी। अगर आपको लगता है कि यह मसाज हर व्यक्ति की अपनी टेक्निक पर आधारित होती है, तो आप ग़लत हैं। स्पा मैनेजमेंट कोर्स में स्पा से जुड़ी हर सर्विस की जानकारी व ट्रेनिंग दी जाती है। सर्विस सेक्टर से जुड़कर कुछ अलग करने की सोच रहे युवाओं के लिए स्पा मैनेजमेंट बेहतर ऑप्शन है। स्पा मसाज उन विकल्पों में से एक है, जो रिलैक्सेशन और रोजमर्रा के जीवन के तनाव को दूर करने के लिए श्रेष्ठ माने गए हैं। यही कारण है कि कई टूरिस्ट डेस्टिनेशंस में स्पा सेंटर्स की मांग बढ़ती जा रही है। लेटेस्ट टैंडस के मुताबिक सर्विस इंडस्ट्री में स्पा मैनेजमेंट बेहतरीन करियर ऑप्शन के तौर पर उभरा है। अगर आपको भी सर्विस इंडस्ट्री में रुचि है, तो आप बन सकते हैं अच्छे स्पा मैनेजर।

क्या है स्पा मैनेजमेंट

जैसा कि नाम से जाहिर है, स्पा मैनेजमेंट में स्पा से जुड़ी हर एक्टिविटी प्लान की जाती है, जिसमें वीकली और मंथली प्लान बनाना, उस पर अमल और मार्केटिंग एक्टिविटीज का मूल्यांकन करना शामिल है। साथ ही स्पा का बजट बनाना व स्टाफ को रिक्रूट करके उन्हें ट्रेन करना भी स्पा मैनेजर के काम में शामिल है।

कैसी स्किल्स चाहिए

बतौर स्पा मैनेजर प्रभावशाली करियर बनाने के लिए आपमें कम्यूटर प्रॉफीशियंसी, अच्छी कम्युनिकेशन स्किल्स, बेहतरीन ऑर्गेनाइजेशनल स्किल्स, इंटर-पर्सनल स्किल्स और अच्छी लीडरशिप स्किल्स होनी चाहिए। इसके अलावा आपमें गैस्ट्स और स्टाफ



से सकारात्मकता के साथ व्यवहार करने की क्षमता होनी चाहिए। इन स्किल्स से आपको इंडस्ट्री में एक उच्च स्तर तक पहुंचने में मदद तो मिलेगी ही, साथ ही जॉब के लिए सकारात्मक रवैया बनाए रखने और करियर के उतार-चढ़ाव से निपटने में भी मदद मिलेगी।

भविष्य की संभावनाएं

स्पा मैनेजर्स को पार्ट टाइम, फुल टाइम और कॉन्ट्रैक्टुअल बेसिस पर हायर किया जाता है। आप चाहें, तो खुद का स्पा सेंटर भी खोल सकते हैं। वैसे सर्विस इंडस्ट्री के सेगमेंट्स जैसे होटल्स, रिजॉर्ट्स, हेल्थ क्लब्स, वरुज शिप्स, थैराप्यूटिक सलून्स में आपको अच्छे पै-पैकेज पर जॉब मिल सकती है।

क्या है वर्क प्रोफाइल

बतौर स्पा मैनेजर आपके पास जनरल बुक कीपिंग, सप्लाइज ऑर्डरिंग, इन्वेंटरी मैनेजिंग और पे-रोल फंक्शंस के कोऑर्डिनेशन का काम होगा। इसके अलावा हर एक्टिविटी की प्लानिंग और उस पर अमल का जिम्मा भी आपका ही होगा। आपको स्पा का बजट मैनेज करने से

सर्विस सेक्टर से जुड़कर कुछ अलग करने की सोच रहे युवाओं के लिए स्पा मैनेजमेंट बेहतर ऑप्शन है। स्पा मसाज उन विकल्पों में से एक है, जो रिलैक्सेशन और रोजमर्रा के जीवन के तनाव को दूर करने के लिए श्रेष्ठ माने गए हैं। यही कारण है कि कई टूरिस्ट डेस्टिनेशंस में स्पा सेंटर्स की मांग बढ़ती जा रही है।



....बनाना चाहते हैं रुरल मैनेजमेंट में करियर?

देश को आजाद हुए 75 साल से ज्यादा हो गया है, लेकिन आज भी देश की जीडीपी में एग्रीकचर की हिस्सेदारी करीब 50 से 55 फीसदी है। वहीं करीब 70 प्रतिशत आबादी अभी भी गांवों में रहती है और आधे वर्कफोर्स के लिए रोजगार का जरिया भी यही है। आजादी के बाद शुरुआती दशकों में ग्रामीण भारत में विकास की रफ्तार कम होने के चलते देश का आर्थिक विकास प्रभावित हुआ, लेकिन अब हालात बदल चुके हैं। पिछले एक दशक में 75 प्रतिशत नई फैक्ट्रियां ग्रामीण क्षेत्रों में खोली गई हैं। वर्ष 2018 के बाद से ग्रामीण क्षेत्रों में जीडीपी विकास की काफी अधिक रही है। हालांकि कोरोना के बाद यह बुरी तरह प्रभावित हुई है। कोरोना के पहले एक्सचेंजर ने एक रिपोर्ट प्रकाशित की थी, जिसके तहत ग्रामीण भारत जीडीपी में 18 ट्रिलियन डॉलर तक का योगदान दे सकता है। ग्रामीण क्षेत्रों में आर्थिक और सामाजिक विकास की रफ्तार तेज करने के लिए रुरल मैनेजमेंट प्रोफेशनल्स की वर्कशॉप्स कराने तक सारे काम करने होंगे। इसके अलावा नए स्पा प्रोजेक्ट्स और अपग्रेडेशन का भी ध्यान रखना होगा।

सैलरी कितनी

स्पा मैनेजर्स की सैलरी उनके अनुभव व शिक्षा पर निर्भर होती है। यह भी मायने रखता है कि आप स्पा सेंटर को कितना बिजनेस दे रहे हैं। आम तौर पर फैशर्स को 15 से 18 हजार रुपये प्रति माह की सैलरी मिलती है, जो अनुभव के साथ बढ़ती है। वहीं प्रोफेशनल्स 10-15 लाख तक के पैकेज पर काम करते हैं।

प्रमुख संस्थान

- नैजरेथ इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, एजॉल (मिजोरम)
- आनंद स्पा इंस्टीट्यूट, हैदराबाद
- स्वास्थ्य आयुर्वेद पंचकर्म ट्रीटमेंट एंड ट्रेनिंग सेंटर, कन्नूर
- माधवबाग इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल एजुकेशन एंड रिसर्च, मुंबई
- केरल आयुर्वेद अकैडमी, अलुवा

मुख्य तौर पर आपमें ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने की इच्छा और उत्सुकता के साथ आपको कई स्किल्स बढ़ाने की जरूरत पड़गी। जिसमें बातचीत की कला, स्थानीय रीति-रिवाजों के प्रति संवेदनशीलता, विभिन्न प्रकार के लोगों में घुल-मिल जाना आदि। अन्य प्रबंधन कोर्सज की तरह यहां भी विश्लेषण की क्षमताएं नेतृत्व क्षमता, समस्या निष्पादन क्षमता आदि लाभप्रद होती हैं।

जॉब ऑप्शन

इस क्षेत्र में छात्रों के लिए करियर के अनेक अवसर उपलब्ध हैं। ये प्रबंधन के सभी कार्यात्मक क्षेत्रों में काम करते हैं, जैसे सिस्टम, मानव संसाधन, परचेज, मार्केटिंग, फाइनेंस, सामान्य प्रबंधन, प्रोजेक्ट इमप्लिमेंटेशन आदि। इस क्षेत्र के छात्र सरकारी और गैरसरकारी दोनों ही संस्थाओं में मैनेजर, नीति निर्माता, विश्लेषक, शोधकर्ता, सलाहकार आदि के रूप में कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा इनके पास सरकारी क्षेत्र में ग्रामीण विकास की योजनाओं, गरीबी उन्मूलन, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा में काम करने का अवसर होता है। ग्रामीण क्षेत्रों में काम करने वाले बैंक भी इस क्षेत्र के विशेषज्ञों को बतौर प्रबंधक नियुक्त करते हैं। प्रतिभाशाली युवाओं के लिए अंतरराष्ट्रीय एनजीओ, संयुक्त राष्ट्र संघ और उससे जुड़ी एजेंसियों में भी जाने का मौका होता है। निजी कंपनियों को भी आधुनिक संचार व्यवस्था के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में बाजार की संभावनाएं दिखाई दे रही हैं, जिसके लिए प्रशिक्षितों की जरूरत होती है। कई स्वयंसेवी संगठन अपने यहां ग्रामीण प्रबंधक के रूप में ऐसे लोगों की नियुक्ति करते हैं, जो गांवों में विकास की योजना को अमलीजामा पहना सकें। योग्य उम्मीदवारों के लिए तिलहन, दूध उत्पादन, गन्ना उत्पादनसमितियों आदि क्षेत्रों में रोजगार के अवसर हैं। रुरल मैनेजमेंट में स्नातक के बाद आप सरकारी और निजी संगठनों के साथ रिसर्च, एडवाइजरी और कंसल्टेंसी का कार्य कर सकते हैं। इसके अलावा आप चाहें तो अपना एनजीओ भी खोल सकते हैं।

अनुमानित पैकेज

अगर आप इस फील्ड में एंट्री लेने वाले हैं तो आपको पता होना चाहिए कि इसमें शुरुआती सालाना पैकेज चार से पांच लाख रुपये सालाना होता है। वहीं अगर आपने शीर्ष संस्थानों से कोर्स किया है तो आपको सात से आठ लाख रुपये तक सालाना पैकेज मिल सकता है। इस फील्ड में दो-तीन साल का अनुभव व अच्छे कार्य-प्रदर्शन के बाद आप 10 से 15 लाख रुपये सालाना कमा सकते हैं। वहीं अंतरराष्ट्रीय संगठनों में पैकेज इससे कहीं ज्यादा होता है।



मेडिकल की तैयारी में काम आएंगे ये टिप्स

- सेलेक्टिव स्टडी से बचें। किसी को भी सेलेक्टिव स्टडी के आधार पर कोई सफलता नहीं मिली।
- प्रश्न हल करने में तेजी लाने का अभ्यास करें, ताकि आपके पास अपने प्रश्न हल करने और उन्हें दोहराने का पूरा समय हो। इसके लिए टाइम मैनेजमेंट सबसे

- बढ़िया तरकीब है। तैयारी के लिए कौचिंग सेंटर का चुनाव करते समय उसके पुराने ट्रैक रिकॉर्ड देख लें कि वहां सफलता की दर क्या है।
- फैकल्टी और अध्ययन सामग्री की जानकारी प्राप्त कर ही वहां दाखिला लें।
- अपनी शंकाओं की सूची तैयार करें और तत्काल अपने शिक्षक या गाइड से उसका

- समाधान लें। परीक्षा के समय के लिए भी कुछ टिप्स हैं। यदि आपको परीक्षा में ऐसा आभास हो कि कोई प्रश्न मुश्किल है और आपका ज्यादा समय ले रहा है तो उसे छोड़ कर आगे बढ़ जाएं। बाद में समय मिलने पर पुनः उस पर ध्यान दें।

टी20 में भारतीय टीम की दूसरी सबसे बड़ी हार, न्यूजीलैंड 87 रन से हराया

कप्तान श्रेयस ने बताया कहां हुई चूक, गेंदबाजों पर फोड़ा ठीकरा

○ **एजेंसी, ऑकलैंड।**

न्यूजीलैंड ने चौथे टी20 मुकाबले में शानदार प्रदर्शन करते हुए भारतीय टीम को 87 रनों से करारी शिकस्त दी। 260 रनों के विशाल लक्ष्य का पीछा करने उतरी टीम इंडिया निर्धारित 20 ओवर में नौ विकेट खोकर 172 रन ही बना सकी। इस हार के साथ ही टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारत का न्यूजीलैंड के खिलाफ लगातार 10 मैचों से चला आ रहा जीत का सिलसिला भी टूट गया। रनों के लिहाज से यह टी20 अंतरराष्ट्रीय में भारतीय टीम की दूसरी सबसे बड़ी हार है। इससे पहले साल 2026 में ही इंग्लैंड ने भारत को 125 रनों से हराया था। लगातार तीन मुकाबलों में शानदार प्रदर्शन करने वाली भारतीय टीम को चौथे मैच में बल्लेबाजी और गेंदबाजी, दोनों विभागों में निराशा हाथ लगी।

भारतीय बल्लेबाज नहीं दिखा सके दम

260 रनों के बड़े लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय टीम की शुरूआत बेहद खराब रही। संजू सेमसन महज चार रन बनाकर आउट हो गए, जबकि ईशान किशन अपना खाता भी नहीं खोल सके।



अभिषेक शर्मा भी 27 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। श्रेयस अय्यर ने 11 गेंदों में 22 रनों की तेज पारी खेलकर टीम को संभालने की कोशिश की, लेकिन वह भी ज्यादा देर क्रीज पर नहीं टिक सके। अक्षर पटेल सात और नीतीश कुमार रेड्डी 21 रन बनाकर आउट हुए। तिलक वर्मा भारतीय पारी के सर्वोच्च स्कोरर रहे। उन्होंने 35 रन बनाए, जबकि नमन धीरे ने 28 रनों का योगदान दिया। प्रिंस यादव 18 रन बनाकर नाबाद लौटे। हालांकि, भारतीय बल्लेबाज न्यूजीलैंड के गेंदबाजों के सामने लक्ष्य के आसपास भी नहीं पहुंच सके।

फिलिप्स और ब्रेसवेल ने मचाया धमाल

इससे पहले न्यूजीलैंड ने विस्फोटक बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में सात विकेट

के नुकसान पर 259 रन बनाए। टीम की ओर से ग्लेन फिलिप्स ने तूफानी अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए महज 49 गेंदों में 107 रन ठोक दिए। उनकी पारी में कई शानदार छक्के देखने को मिले।

माइकल ब्रेसवेल ने भी भारतीय गेंदबाजों की जमकर खबर ली। उन्होंने सिर्फ 25 गेंदों में 65 रन बनाए। इसके अलावा फिन एलन ने 17 गेंदों में 31 और डेरिल मिचेल ने 9 गेंदों में 24 रन का योगदान दिया। फिलिप्स और ब्रेसवेल की आक्रामक बल्लेबाजी का अंदाज इसी से लगाया जा सकता है कि दोनों ने मिलकर न्यूजीलैंड की पारी में 16 छक्के जड़े। फिलिप्स ने नीतीश कुमार रेड्डी के एक ओवर में लगातार चार छक्के लगाते हुए कुल 32 रन बटोरे। इस ओवर ने भारतीय गेंदबाजी की मुश्किलें और बढ़ा दीं।

जैकब डफी ने झटके चार विकेट

बल्लेबाजी के बाद न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने भी शानदार प्रदर्शन किया। जैकब डफी ने 23 रन देकर चार विकेट अपने नाम किए और भारतीय बल्लेबाजी क्रम को झकझोर दिया। कप्तान मिचेल सैंटनर और मैथ्यू फिशर ने भी दो-दो विकेट हासिल किए। न्यूजीलैंड के गेंदबाजों ने पावरप्ले में ही भारतीय टीम को शुरुआती झटके देकर मुकाबले पर अपनी पकड़ मजबूत कर ली थी।

कप्तान ने गेंदबाजी पर उठाए सवाल

मैच में हार के बाद भारतीय कप्तान श्रेयस अय्यर ने गेंदबाजी यूनिट के प्रदर्शन को निराशाजनक बताया। उन्होंने स्वीकार किया कि भारतीय गेंदबाज उम्मीद के मुताबिक प्रदर्शन नहीं कर सके और पावरप्ले में ही न्यूजीलैंड को लय हासिल करने का मौका मिल गया। अय्यर ने कहा, 'हम गेंदबाजी में पीछे रह गए। खासकर पावरप्ले के दौरान तीसरे ओवर में उन्होंने लय हासिल कर ली। ग्लेन ने कुछ असाधारण शॉट खेले। हमें इस प्रदर्शन की समीक्षा करनी होगी और यह देखना होगा कि वापसी कैसे की जाए। मुझे लगता है कि हमें फिर से शुरुआत से योजना बनाकर उस पर अमल करना होगा।' ऑकलैंड के ईडन पार्क मैदान की छोटी बाउंड्री और अलग-अलग आयामों को लेकर भी अय्यर ने बात की। उन्होंने कहा कि कुछ खिलाड़ियों के लिए यह मैदान नया था और यहां की परिस्थितियों के अनुरूप खुद को ढालना आसान नहीं था। हालांकि, उन्होंने शुरुआती तीन मुकाबलों में टीम के प्रदर्शन को शानदार बताते हुए इसे सीखने का अच्छा अनुभव भी कहा।

सैंटनर ने की न्यूजीलैंड के गेंदबाजों की तारीफ

न्यूजीलैंड के कप्तान मिचेल सैंटनर ने जीत पर खुशी जताते हुए कहा कि पावरप्ले में विकेट हासिल करना उनकी टीम के लिए अहम साबित हुआ। उन्होंने कहा कि भारतीय बल्लेबाजों के खिलाफ अच्छी गेंदबाजी करना जरूरी था और उनकी टीम ने योजनाओं को बेहतर तरीके से लागू किया। सैंटनर ने माइकल ब्रेसवेल की बल्लेबाजी की भी तारीफ की। उन्होंने कहा कि ब्रेसवेल ने क्रीज पर आते ही आक्रामक रुख अपनाया और टीम को 260 रनों के करीब पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। वहीं, शतकवीर ग्लेन फिलिप्स ने पिच को बल्लेबाजी के लिए शानदार बनाया। उन्होंने कहा कि विकेट पर स्ट्रोक खेलना आसान था और उनकी टीम ने परिस्थितियों का पूरा फायदा उठाया।

पापा ने मेरे लिए किसी से भीख नहीं मांगी: सारा अली खान



अभिनेत्री सारा अली खान अपनी फिल्म 'उड़ता तैर' को लेकर चर्चा में हैं। इस बीच उन्होंने अपने पारिवारिक बैकग्राउंड को लेकर चल रही चर्चाओं पर बात की है। उन्होंने साफ किया कि उनके पिता और अभिनेता सैफ अली खान ने कभी भी उनके फिल्म कॉन्ट्रैक्ट्स पर बातचीत नहीं की। उन्होंने एक मशहूर फिल्मी परिवार से आने के दोहरे पहलुओं पर चर्चा की।

पिता ने नहीं की सिफारिश

फिल्मफेयर से बातचीत में सारा ने कहा, 'मैं अपनी सिंगल मदर के साथ रहती हूं। मेरे पिता कभी किसी ऑफिस में जाकर मेरे कॉन्ट्रैक्ट्स पर बातचीत नहीं करते थे और न ही उन्होंने कभी किसी से मुझे अपनी फिल्मों में लेने की गुजारिश की। जब मुझे 'केदारनाथ' के समय कोई परेशानी हुई, तो मैंने उसे खुद ही सुलझाया। उस वक्त मेरे साथ कोई नहीं था। यह एक दोधारी तलवार की तरह है, क्योंकि इंडस्ट्री में मेरा कोई गॉडफादर नहीं रहा है।'

पारिवारिक पृष्ठभूमि का मिला फायदा

सारा ने माना कि अपने परिवार की वजह से उन्हें कुछ खास फायदे जरूर मिले हैं। उन्होंने कहा कि वह इतनी नासमझ या भ्रम में नहीं हैं कि उन मौकों को न देख सकें जो उनके पारिवारिक बैकग्राउंड की वजह से उन्हें शुरूआत में मिल गए थे। हालांकि, उनका यह भी मानना है कि लगातार होने वाली जांच-परख की वजह से उन पर उम्मीदों का बोझ डाल दिया जाता है।

नेपोटिज्म पर क्या बोली सारा?

सारा ने इस बात पर जोर दिया कि

श्रद्धा ने बताई 'ईठा' चुनने की वजह

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर की अपकमिंग फिल्म 'ईठा' का ट्रेलर रिलीज हो गया है। फिल्म में श्रद्धा कपूर बिल्कुल अलग अवतार में नजर आ रही हैं। आज ट्रेलर लॉन्च इवेंट में श्रद्धा ने फिल्मों 'खुलासा किया कि क्यों उन्होंने इस फिल्म के लिए हां किया साथ ही बॉलीवुड में फिल्मों की कहानी को लेकर अपनी राय रखी।

बॉलीवुड पर क्या बोली श्रद्धा?

ट्रेलर लॉन्च इवेंट में श्रद्धा ने बॉलीवुड में फिल्मों की कहानी को लेकर बड़ा बयान दिया। उन्होंने कहा, 'हमारी इंडस्ट्री को अच्छी कहानी की जरूरत है। इस तरह की फिल्में हमनी चाहिए। मुझे लगता है कि ये बहुत छोटी सोच होती है। मैंने इंडस्ट्री के बारे में सोचना चाहिए कि हम इंडस्ट्री को आगे कैसे बढ़ा सकते हैं। जब हम सब ऐसा सोचेंगे तो, तब हमारी इंडस्ट्री बहुत आगे बढ़ी हो जाएगी।'

श्रद्धा ने क्यों इस रोल के लिए कहा हां?

श्रद्धा ने कहा कि वह इस बात से बेहद खुश हैं कि उन्हें 'ईठा' जैसी फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिला। उन्होंने 'छावा' के बाद एक अलग विषय चुनने के लिए निर्देशक लक्ष्मण उतेकर की तारीफ भी की। उन्होंने कहा, 'जाहिर सी बात है कि मैं बहुत खुश हूं कि मुझे इस तरह की फिल्म का हिस्सा बनने का मौका मिला। 'छावा' के बाद लक्ष्मण सर के लिए सबसे आसान होता कि वह एक और योद्धा पर आधारित फिल्म बनाते। लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। मैंने उनसे इस बारे में पूछा भी था। तब उन्होंने मुझसे कहा, 'मैं एक अलग दुनिया दिखाना चाहता हूं।' मुझे लगता है कि उन्होंने बहुत शानदार फैसला लिया है।'

ट्रोल पर शिरकी श्रद्धा

ट्रेलर लॉन्च इवेंट में श्रद्धा ने ट्रोल पर डांस भी किया। इस दौरान एक्ट्रेस बेफिक होकर तुमके लगती नजर आई। साथियों के साथ श्रद्धा का ये डांस फैस को काफी पसंद आ रहा है।

कौन-कौन से सितारे होंगे फिल्म का हिस्सा?

फिल्म में श्रद्धा कपूर के साथ रणदीप हुड्डा अहम भूमिका में हैं। इसके अलावा रणदीप फिल्म में अन्ना सावंत मर्चेट का किरदार निभा रहे हैं। वहीं, मोहम्मद जीशान अय्यूब, अनंत जोशी, सिद्धार्थ जाधव, अक्षरा सिंह और उल्का गुप्ता भी फिल्म का हिस्सा हैं। दिवंगत अभिनेता नाना पाटेकर भी इस फिल्म में नजर आएंगे।

कब रिलीज होगी 'ईठा'?



पहले फिल्म 'ईठा' इसी साल अगस्त में रिलीज होने वाली थी, लेकिन बाद में इसकी तारीख बदल दी गई। अब श्रद्धा कपूर की यह फिल्म 4 दिसंबर, 2026 को सिनेमाघरों में दस्तक देगी।



हाइलो ओपन: पीवी सिंधू और अन्मोल खरब के बीच होगा सेमीफाइनल मुकाबला, लक्ष्य सेन भी अंतिम-चार में पहुंचे

○ **एजेंसी, नई दिल्ली।**

भारत की स्टार बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधू ने हाइलो ओपन सुपर 500 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह बना ली है। उनके साथ युवा भारतीय खिलाड़ी अनमोल खरब ने भी अंतिम-4 में प्रवेश किया। इसके साथ ही महिला सिंगल्स में दोनों भारतीय खिलाड़ियों के बीच सेमीफाइनल मुकाबला तय हो गया है। वहीं, पुरुष सिंगल्स में लक्ष्य सेन ने शानदार वापसी करते हुए सेमीफाइनल का टिकट कटाय़ा।

सिंधू ने कैसे हराया?

दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू ने क्वार्टर फाइनल में जर्मनी की अमाली शुल्ज को सोथे गेमों में 21-12, 21-10 से हराया। फ्रेंच ओपन में उपविजेता रहने के बाद सिंधू ने अपनी शानदार फॉर्म जारी रखी। उन्होंने महज 28 मिनट में मुकाबला अपने नाम लिया। पूरे मैच में सिंधू का दबदबा देखने को मिला। उन्होंने खेले गए कुल 64 अंकों में से 42 अंक अपने नाम किए।

भारतीय हॉकी टीम ने लगाई जीत की हैट्रिक: जापान को 4-1 से हराया

नईदिल्ली। भारतीय हॉकी टीम का एशियन चैंपियंस ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन जारी है। पांच बार की चैंपियन भारत ने शुक्रवार को खेले गए मुकाबले में जापान को 4-1 से करारी शिकस्त दी। इस जीत के साथ ही भारतीय टीम ने टूर्नामेंट में लगातार तीसरी जीत दर्ज की और सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। भारत की जीत के हीरो अभिषेक नैन रहे, जिन्होंने दो शानदार मैदानी गोल दगे। भारत की ओर से अभिषेक नैन ने 11वें और 51वें मिनट में गोल किया। कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने 47वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर पर गोल दागा, जबकि विष्णुकांत सिंह ने 56वें मिनट में मैदानी गोल कर भारत की

जीत सुनिश्चित कर दी। जापान की ओर से एकमात्र गोल शोता यामादा ने 15वें मिनट में पेनल्टी स्ट्रोक पर किया।

पहले हाफ में जापान ने दी कड़ी चुनौती

मुकाबले की शुरुआत में जापान ने आक्रामक रुख अपनाया और दूसरे ही मिनट में पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर लिया। हालांकि, जापानी खिलाड़ी केन नागायोशी का प्रयास लक्ष्य से चूक गया। शुरुआती मिनटों में भारतीय मिडफील्ड और फॉरवर्ड लाइन के बीच तालमेल की कमी नजर आई। उपकप्तान हार्दिक सिंह ने खेल को संभालने की कोशिश की।

ऑस्कर की रेस में भारतीय फिल्म का साथ देगी प्रियंका

फिल्ममेकर प्रणव भसीन की फिल्म 'वी वर हीअर' को अब ऑस्कर की दौड़ के लिए तैयार किया जा रहा है। उनकी मदद के लिए अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा ने हाथ आगे बढ़ाया है। जानिए क्या है पूरा मामला।

प्रियंका चोपड़ा का फिल्म से क्या है कनेक्शन?

प्रियंका चोपड़ा एक बार फिर भारतीय सिनेमा को इंटरनेशनल लेवल पर पहचान दिलाने की दिशा में कदम बढ़ाती नजर आ रही हैं। प्रणव भसीन के निर्देशन और लेखन में बनी शॉर्ट फिल्म 'वी वर हीअर' को अब तक 80 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय फिल्म फेस्टिवल में दिखाया जा चुका है। फिल्म से जुड़ने को लेकर प्रियंका चोपड़ा ने अपनी खुशी जाहिर की है। उन्होंने एक प्रेस नोट में कहा, 'यह फिल्म एक ऐसे विषय को नए और मजेदार अंदाज में पेश करती है, जो आज के समय में काफी प्रसंगिक है। एग्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर के तौर पर इससे जुड़ने का मौका मिलते ही मैंने हां कर दी। मैं इस क्रिएटिव टीम का साथ देना चाहती हूं, ताकि उनकी शानदार और अनोखी सोच को वह पहचान मिल सके जिसकी वह हकदार है।'

20 से ज्यादा अवॉर्ड जीत चुकी है फिल्म

'वी वर हीअर' ने अपने फेस्टिवल सफर में कई बड़े अवॉर्ड जीते हैं। फिल्म को साउथ बाय साउथवैस्ट (रह) फिल्म फेस्टिवल में ऑडियंस अवॉर्ड फॉर बेस्ट नैरेटिव शॉर्ट और रेडब्रेस्ट अनहिडन अवॉर्ड मिला इसके अलावा पाम रिप्रेंस इंटरनेशनल शॉर्टफेस्ट में फिल्म ने 15 मिनट से कम की बेस्ट लाइव-एक्शन शॉर्ट फिल्म और बेस्ट कॉमेडी शॉर्ट का अवॉर्ड जीता। वहीं, क्लेरमॉन्ट-फेराड इंटरनेशनल शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल में इसे कैनाल प्लस प्राइज मिला था। इसी फिल्म फेस्टिवल में इसका वर्ल्ड प्रीमियर भी हुआ था। पाम रिप्रेंस में मिले अवॉर्ड की वजह से ही फिल्म ऑस्कर के लिए क्वालिफाई कर पाई।

क्या है फिल्म की कहानी?

'वी वर हीअर' की कहानी भारत के एक छोटे से शहर में रहने वाले तीन रिटायर्ड पुरुषों की है। उन्हें लगता है कि मशीनें धीरे-धीरे इंसानों की नौकरियां छीन रही हैं। इसके विरोध में वे तीनों एक अनोखा तरीका अपनाते हैं। वे घर में इस्तेमाल होने वाले इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों का रूप धारण करके अपना



विरोध जताने लगते हैं।

हालांकि, उनकी इस कोशिश में तब नया मोड़ आता है, जब उनमें से एक के बच्चे की नौकरी ऑर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (अक्) कंपनी में लग जाती है। फिल्म में कॉमेडी के जरिए तकनीक, रोजगार और बदलती दुनिया में इंसानों की जगह जैसे गंभीर मुद्दों को उठाया गया है।